कोटद्वार, मंगलवार
14 अप्रैल 2026
वर्षः 48
अंकः 312 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक - निष्पक्ष - जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

नोएडाः फैक्ट्री कर्मचारियों का हिसंक प्रदर्शन, आगजनी

10 गाड़ियों में आग-तोड़फोड़, दफ्तरों पर पत्थर फेंके, पुलिस से झड़प; डीजीपी बोलेः एक्शन लेंगे

नोएडा (सं.)। सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे फैक्ट्री कर्मचारियों का प्रदर्शन सोमवार सुबह हिंसक हो गया। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए। फेज-2 इलाके में कर्मचारी सड़क पर उतर आए और पथराव किया। कई गाड़ियों और बसों को आग लगा दी। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो उनकी गाड़ी पलट दी। हालात बिगड़े तो कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कर्मचारियों को रोकने की कोशिश की तो उन पर पथराव कर दिया। फिर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। फेज-2 जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी। फेज-2 के बाद धीरे-धीरे प्रदर्शन नोएडा के करीब 10 इंडस्ट्रियल इलाकों में फैल गया। कर्मचारियों ने सेक्टर 1, 15, 62 और DND फ्लाइओवर के पास सड़क जाम कर दी। सेक्टर- 40 और 60 में कर्मचारियों ने कंपनियों का घेराव किया। सेक्टर 85 में जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने रोका तो उन पर पथराव कर दिया। सेक्टर-57 में फैक्ट्री में तोड़फोड़ की। हालात को काबू करने के लिए PAC को मौके पर उतार दिया गया है। कंपनियों के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं। DGP राजीव कृष्ण और ADG (लॉ एंड ऑर्डर) अमिताभ यश कंट्रोल रूम से स्थिति पर नजर रखते हुए हैं। डीजीपी ने कहा कि अफवाह फैलाने वालों की पहचान कर रहे हैं। सख्त कार्रवाई करेंगे। पुलिस के मुताबिक, नोएडा का फेज-2 इलाका इंडस्ट्रियल एरिया है। यहां मदरसन, ऋचा ग्लोबल, रेनबो, पैरामाउंट, एसएनडी और अनुभव कंपनियों के 1000 से ज्यादा कर्मचारी सैलरी बढ़ाने को लेकर पिछले 3 दिन से प्रदर्शन कर रहे थे। करीब 500 कर्मचारी मदरसन कंपनी के बाहर जुटे थे। सबसे पहले यहीं हिंसा हुई। प्रशासन कर्मचारियों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है। कर्मचारियों को समझाने की कोशिशें की जा रही हैं। नोएडा डीएम मेधा रुपम ने कहा- अफवाहों पर ध्यान न दें। कंपनियों के साथ बैठक में अहम फैसले लिए गए हैं। वर्कप्लेस पर यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति गठित की जाएगी। इसकी अध्यक्ष महिला ही होगी। शिकायत पेटियां रखी जाएंगी। कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा। हर महीने की 10 तारीख तक वेतन का एकमुश्त भुगतान कर दिया जाएगा। वेतन पर्ची अनिवार्य रूप से दी जाएगी। नोएडा के सेक्टर 57 और 74 में कर्मचारी उग्र हो गए हैं। नेक्सा सर्विस कंपनी में कर्मचारियों ने तोड़फोड़ भी की है। DGP राजीव कृष्ण ने कहा- नोएडा में भड़काने वाले तत्वों को चिह्नित किया जा रहा है। बाहरी तत्वों की भी पहचान की जा रही है। सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

भारत में बनेगा तेजस फाइटर जेट इंजन का रिपेयर सेंटर

'नई दिल्ली (एजेंसी)। मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती देते हुए अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने सोमवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के साथ एक नया समझौता किया है। इसके तहत भारत में एफ404-आईएन20 इंजन के लिए रिपेयर और मेंटेनेंस सुविधा (डिपो) स्थापित की जाएगी, जो एचएएल के तेजस फाइटर जेट को शक्ति प्रदान करते हैं। यह नई सुविधा भारत में ही बनाई जाएगी और इसका संचालन भारतीय वायु सेना करेगी, जबकि जीई एयरोस्पेस तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा।

इस कदम का उद्देश्य भारत की स्वदेशी रक्षा मेंटेनेंस क्षमता को मजबूत करना और दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करना है। जब यह सुविधा चालू हो जाएगी, तो इंजन की मरम्मत और रखरखाव में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा, जिससे तेजस फाइटर जेट की उपलब्धता बेहतर होगी। समझौते के तहत यह डिपो पूरी तरह से भारतीय वायु सेना के स्वामित्व और संचालन में रहेगा। वहीं जीई एयरोस्पेस तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशिक्षण, सपोर्ट स्टाफ और जरूरी स्पेयर पार्ट्स व विशेष उपकरण उपलब्ध कराएगा।जीई एयरोस्पेस की डिफेंस एंड सिस्टम्स सेल्स और बिजनेस डेवलपमेंट की वाइस प्रेसिडेंट रीटा फ्लेहर्टी ने कहा कि यह साझेदारी भारत की सशस्त्र सेनाओं को मजबूत करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

महाराष्ट्रः ठाणे में सड़क हादसे में 11 की मौत

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। पुलिस ने बताया कि कल्याण से मुर्बाड जा रही एक वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मुर्बाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में आठ पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, जबकि बाकी की पहचान जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर रोड पर लंबा जाम लग गया था।

लव जिहाद में किशोरी की हत्या? आरोपी प्रेमी

दरभंगा। कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां घर से भागी एक किशोरी की हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस गांव में कैंप कर रही है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।बताया जाता है कि नाबालिग लड़की को दूसरे समुदाय के लड़के ने प्रेम प्रसंग में बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया था। मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद उसकी बेटी पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि जब उनकी बेटी ने धर्म परिवर्तन से इनकार किया, तो आरोपी के परिवार वालों ने उसकी हत्या कर दी।कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के हिरणी पंचायत निवासी मृतका के पिता ने अपने लिखित आवेदन में कहा है कि मो. साबिर का बेटा मो. उजाला 13 जनवरी 2026 को उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर और झांसा देकर भगा ले गया था। काफी खोजबीन के बाद जानकारी मिली कि उनकी बेटी आरोपी के साथ है, जिसके बाद उन्होंने थाने में आवेदन देकर बेटी की तलाश की गुहार लगाई थी।

कर्नाटक कांग्रेस के 30 विधायक दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में कैबिनेट फेरबदल की मांग कर रहे 40 सीनियर विधायकों में 30 विधायक रविवार को दिल्ली पहुंचे। यहां वे पार्टी हाईकमान से मिलकर मंत्रिमंडल में फेरबदल और नए चेहरों को मौका देने की मांग करेंगे। तीन से ज्यादा बार विधायक बन चुके करीब 40 विधायकों की मांग है कि मौजूदा मंत्रियों को लगभग तीन साल का समय मिल चुका है, इसलिए अब सीनियर विधायकों को मौका दिया जाए। वहीं पहली बार चुने गए 38 कांग्रेस विधायक भी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने पार्टी नेतृत्व को पत्र लिखकर कम से कम 5 नए विधायकों को मंत्री बनाने की मांग की है। मांड्या विधायक रविकुमार गौड़ा ने कहा कि नए चेहरों को भी मौका मिलना चाहिए। कर्नाटक में मुख्यमंत्री समेत कुल 34 मंत्रियों की मंजूरी है। फिलहाल दो मंत्री पद पहले से खाली हैं। इनमें एक पद बी नागेंद्र के इस्तीफे के बाद खाली हुआ, जिन पर कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी डेवलपमेंट कॉपोरेशन में गबन के आरोप लगे थे। दूसरा पद पार्टी हाईकमान के निर्देश पर केएन राजन्ना को हटाए जाने के बाद खाली हुआ। ऐसे में विधायकों की मांग है कि इन पदों को भरने के साथ व्यापक फेरबदल किया जाए। दिल्ली पहुंचे नेताओं में टीबी जयचंद्र, अशोक पट्टन, एसएन नारायणस्वामी, पुट्टारंगा शेट्टी और बेलूर गोपाल कृष्ण समेत कई विधायक शामिल हैं।

मोदी महिलाओं से बोलेः गृहस्थ नहीं, लेकिन जानता सब हूं

हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, 'हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है।' उन्होंने कहा, ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।' पीएम मोदी ने कहा, ह्यहमारी सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगें इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया। स्कूल में शौचालय की परेशानी न हो स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद, भविष्य में सेना में जाना चाहे तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसोई में धुएं की परेशानी से बचाने उज्जवला योजना, पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों को हो रहा है। 3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी हैं। आम तौर पर पिता और बेटा व्यापार की बात करते हैं न और मां आ जाए तो कहते हैं तुम जाओ। अब जब वो आर्थिक सशक्त हो गई हैं तो बेटा भी कहता है कि मां को बुलाइए न। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं। भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई भी देता हूं। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है। महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है। 2023 में जब यह अधिनियम आया था तब भी सभी दलों ने सर्व सम्मति से इसे पास कराया था।

'कांग्रेस मजबूती के साथ खड़ी', पवन खेड़ा के समर्थन में बोले राहुल

असम सीएम पर गंभीर आरोप भी लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को लेकर चल रही सियासत के बीच अब लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है और किसी भी तरह के दबाव या डर से पीछे नहीं हटेगी। यह बयान उस समय आया है जब असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर पवन खेड़ा को मिली ट्रांजिट अग्रिम जमानत को चुनौती दी है। इस पूरे मामले को ऐसे समझिए कि 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट ने पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी।

खेड़ा ने यह राहत इसलिए मांगी थी क्योंकि असम पुलिस उनसे पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित उनके घर पहुंची थी, लेकिन वह वहां नहीं मिले। बता दें कि ये पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बीते पांच अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में संपत्ति है, जिसकी जानकारी चुनावी हलफनामे में नहीं दी गई। हालांकि, हिमंता बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठा और मनगढ़ंत बताया है।

अब इस मामले में राहुल गांधी ने खुलकर पवन खेड़ा का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि असम के वर्तमान मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट नेताओं में से एक हैं और वे कानून से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता का दुरुपयोग करके विरोधियों को परेशान करना संविधान के खिलाफ है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि पवन खेड़ा की तरफ से उठाए गए सवालों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है और इस मामले में कांग्रेस पार्टी पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है।गौरतलब है कि पवन खेड़ा के खिलाफ मामला रिनिकी भुइयां सरमा की शिकायत पर गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में दर्ज किया गया है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराएं लगाई गई हैं, जैसे कि चुनाव से जुड़े मामले में गलत जानकारी देना, धोखाधड़ी। ऐसे में तेलंगाना हाई कोर्ट ने जमानत देते समय कुछ शर्तें भी रखीं, जैसे कि गिरफ्तारी की स्थिति में एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहाई, जांच में पूरा सहयोग करना, जरूरत पड़ने पर पूछताछ के लिए उपस्थित होना और बिना अदालत की अनुमति देश छोड़कर न जाना। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि उसने मामले के तथ्यों पर कोई अंतिम राय नहीं दी है, लेकिन गिरफ्तारी का खतरा वास्तविक लगता है, इसलिए सीमित राहत दी गई है।

बंथरा में बेड में मृत मिली महिला

लखनऊ (एजेंसी)। बंथरा इलाके में शनिवार को एक 24 वर्षीय महिला संजना की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, बंथरा के उम्मेद खेड़ा निवासी अमरीश धीमान की शादी तीन साल पहले उन्नाव जिले के हसनगंज निवासी संजना से हुई थी। संजना पिछले दो वर्षों से किडनी की बीमारी से पीड़ित थीं और उनका इलाज चल रहा था।शुक्रवार रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो गए थे। शनिवार सुबह जब अमरीश अपनी पत्नी संजना को जगाने गए, तो वह बिस्तर पर मृत अवस्था में मिलीं। इसके बाद अमरीश ने संजना के मायके वालों को घटना की सूचना दी। इसी बीच, किसी ने पुलिस को भी सूचित कर दिया। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में महिला की मौत का कारण किडनी की बीमारी प्रतीत हो रहा है। मृतका के मायके वालों ने इस संबंध में कोई तहरीर नहीं दी है और न ही किसी पर कोई आरोप लगाया है।

बीरभूम में गरजे गृहमंत्री अमित शाह

कहा- पांच मई को बनने वाली है भाजपा सरकार, बंगाल की जनता ने लिया निर्णय

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम में गृहमंत्री अमित शाह ने दो और पश्चिम बर्धमान में एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया। शाह ने कहा बंगाल में पांच मई को भाजपा की सरकार बनने वाली है। मैं पूरे बंगाल में घूमता हुआ बीरभूम आया हूं। दीदी को टाटा-बाय-बाय कहने का निर्णय बंगाल की जनता ने ले लिया है। शाह ने कहा कि इस बार बीरभूम को एक रिकॉर्ड बनाना है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सभी 11 सीटें भाजपा को दें और राज्य में भाजपा सरकार बनाएं।ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, दीदी, आपके गुंडों के बम धमाकों से बंगाल की जनता अब नहीं डरेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बंगाल की जनता बम का जवाब बैलेट से देगी और भय का जवाब भरोसे से देगी। उन्होंने लोगों से कहा कि आप बैलेट मशीन पर कमल का निशान दबाइए, ममता के सारे गुंडों को ढूंढने का काम भाजपा की सरकार करेगी। गृहमंत्री ने कटमनी और सिंडिकेट का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि जनता इससे बहुत परेशान है। अगर किसी गरीब को घर बनाने के लिए ईंट या सीमेंट लाना है, तो ममता के सिंडिकेट वाले पैसे मांगते हैं। शाह ने वादा किया कि आप ममता को यहां से निकाल दो, कटमनी और सिंडिकेट वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम भाजपा की सरकार करेगी।अमित शाह ने कहा कि बंगाल में चार मई के बाद डबल इंजन सरकार बनने वाली है। इसके साथ ही बंगाल के अंदर विकास का नया दौर शुरू होने वाला है। उन्होंने टीएमसी पर हमला करते हुए कहा कि इस पार्टी ने मयूरेश्वर को बम और बारूद की खदान बना दिया है। शाह ने आरोप लगाया कि 2013 से लेकर 2021 तक भाजपा कार्यकताओं को बहुत परेशान किया गया है। उन्होंने टीएमसी के गुंडों को सख्त चेतावनी दी।

गृहमंत्री ने जनता से किया वादा

शाह ने सुरक्षा व्यवस्था पर जानकारी देते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने यहां 800 से ज्यादा कंपनियां भेजी हैं। शांतिपूर्ण मतदान के लिए पूरे इंतजाम किए गए हैं, इसलिए किसी भी नागरिक को डरने की जरूरत नहीं है। अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव घुसपैठियों को बाहर निकालने का चुनाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता दीदी और भतीजा उनको नहीं निकाल सकते। वे तो बीएसएफ को बाड़ लगाने के लिए जमीन भी नहीं देते हैं। शाह ने वादा किया कि भाजपा सरकार बनते ही 45 दिन के अंदर बंगाल की पूरी सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन दे दी जाएगी।

मुनाफे का लालच देकर लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

कोटद्वार पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शेयर मार्केट में बेहतर मुनाफे का लालच देकर 11 लाख से अधिक की ठगी करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने आमजन को साइबर अपराध के प्रति जागरूक रहने की भी अपील की। कहा कि किसी भी तरह की ठगी होने पर तुरंत पुलिस ने शिकायत करें। मामले में कुछ दिन पूर्व कोटद्वार निवासी अनिल सिंह की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई। जिसमें उन्होंने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें शेयर मार्केट से सबंधित एक ग्रुप में जुड़ने के लिए वाट्सएप पर लिंक भेजा। जब उन्होंने लिंक खोला तो उसमें प्रतिदिन बेहतर मुनाफा देने की बात कही जा रही थी। बताया कि उन्होंने भी अलग–अलग समय में करीब 11 लाख दस हजार रुपये की राशि इनवेस्ट की। लेकिन, राशि लेने के बाद ग्रुप संचालकों ने उन्हें ग्रुप से हटा दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि सर्विलांस की मदद से मालूम हुआ कि उक्त ग्रुप गुजरात, अहमदाबाद अमरावदी, शोसायटी पार्क हरिदर्शन से संचालित किया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने दबिश देकर वहां से राजेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया। बताया कि राजेंद्र सिंह व उसके अन्य साथी लोगों को वाट्सएप व फेसबुक पर मुनाफे का लालच देते थे। जिसके बाद लोगों से ठगी की जाती थी।

सदन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से देश और मजबूत होगा : रावत

नई टिहरी। देश की सवोच्च सदन में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित किए जाने पर राज्य सतर्कता समिति की अध्यक्ष गीता रावत और भाजपा महिला मोर्चा ने प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। कहा कि सदन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से देश और मजबूत होगा। नई टिहरी पहुंची दायित्वधारी रावत का भाजपाइयों ने पार्टी कार्यालय में स्वागत किया। पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा 16 से 18 अप्रैल तक लोकसभा और राज्य सभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा होगी। केंद्र सरकार ने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए जनधन, पोषण, पीएम उज्जवला, सुकन्या, लखपति दीदी, मुद्रा लोन सहित कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की हुई है जिनका महिलाओं को लाभ मिल रहा है।

बायोटेक्नोलॉजी विभाग में विभागीय परिषदीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः डॉ पीतांबर दत्त बर्थवाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के बायोटेक विभाग में विभागीय परिषदीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ' इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर डी. एस. नेगी ने छात्र–छात्राओं को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया ।

इस अवसर पर विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ नीता भट्ट ने छात्र–छात्राओं को विभाग में होने वाली इन प्रतियोगिताओं से होने वाले महत्व के बारे में बताया एवं भविष्य में इसी प्रकार प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया ' इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता में आकाश ,अमनदीप , यशिका ने क्रमशः प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में अमनदीप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ' निबंध प्रतियोगिता में अमनदीप ,मानसी ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया ' क्विज प्रतियोगिता में मानसी नेगी , आकाश ने प्रथम एवं यशिका, प्रियांशु ने द्वितीय एवं अमनदीप ,ईशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ' अवसर पर इस अवसर पर बायोटेक विभाग के समस्त प्राध्यापक श्री विमल त्यागी, मिलन सिंह ,निखत अंसारी एवं सहायक गण श्रीमती अंजलि , श्री हेमराज , श्री शुभम शर्मा उपस्थित रहे ' इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

गौरीकुंड वन पंचायत में वन्यजीव तस्करी का आरोप

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के मुख्य पड़ाव गौरीकुंड क्षेत्र की वन पंचायत में अवैध गतिविधियों को लेकर गंभीर आरोप लगे हैं। पूर्व प्रधान राकेश गोस्वामी ने जिलाधिकारी, प्रमुख वन संरक्षक को शिकायतीपत्र भेजा और वन भूमि पर अवैध घास कटान, दुर्लभ जड़ी–बूटियों के दोहन और वन्यजीवों के शिकार व तस्करी का मामला उठाया। पूर्व प्रधान राकेश गोस्वामी ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों की मिलीभगत से मजदूरों के माध्यम से यात्रा काल में अवैध घास का कटान किया जा रहा है जिससे करोड़ों रुपये का कारोबार हो रहा है। साथ ही बहुमूल्य जड़ी–बूटियों का भी चोरी–छिपे दोहन और वन्यजीवों के शिकार की बात कही गई है। उन्होंने मामले की उच्च स्तरीय जांच कर वन क्षेत्र में विशेष टास्क फोर्स गठित करने, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उधर उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सूरज नेगी ने कहा कि गौरीकुंड क्षेत्र में हो रहे अवैध घास के कटान के मामले को प्रशासन को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और यह जिम्मा स्थानीय लोगों को देना चाहिए।

अंतर संकाय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में कालीमठ समूह का दबदबा

रुद्रप्रयाग। स्नातकोत्तर महाविद्यालय की अंतर संकाय सांस्कृतिक प्रतियोगिता सोमवार को शुरू हो गई। पारंपरिक परिधानों में सजे छात्र–छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में कालीमठ समूह का दबदबा रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. कैलाश चंद्र दुतपुरी ने किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को धारी देवी, नंदा देवी, चंद्रबदनी और कालीमठ चार समूहों में विभाजित किया गया। कव्वाली प्रतियोगिता में धारी देवी समूह ने प्रथम, चंद्रबदनी ने द्वितीय और कालीमठ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य में धारी देवी प्रथम, चंद्रबदनी द्वितीय और कालीमठ तृतीय स्थान पर रहा। स्वागत गीत में कालीमठ, धारी देवी और चंद्रबदनी, सरस्वती वंदना में कालीमठ समूह, धारी देवी और चंद्रबदनी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामूहिक नृत्य में कालीमठ और नंदा देवी ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि चंद्रबदनी द्वितीय और धारी देवी तृतीय स्थान पर रहे। भाषण प्रतियोगिता में चंद्रबदनी समूह, कालीमठ और धारी देवी, स्वरचित कविता पाठ में चंद्रबदनी, धारी देवी, कालीमठ, समूह गीत में कालीमठ, नंदा देवी और धारी देवी, एकल गायन में कालीमठ, धारी देवी और चंद्रबदनी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की आयोजक सचिव मनीषा सिंह ने बताया निर्णायक मंडल में विजय चमोला, चंद्रलेखा चौधरी, प्रीति थे।

फिटनेस जांच कर 35 वाहनों को ग्रीन कार्ड किया जारी

रुद्रप्रयाग। आगामी केदारनाथ यात्रा को लेकर गुलाबराय मैदान में टैक्सी–मैक्सी वाहनों के ग्रीन कार्ड बनाने की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ दी है। सोमवार को यहां चालक वाहनों की फिटनेस जांच के लिए पहुंचे। इस दौरान करीब 35 वाहनों की फिटनेस जांच कर उनका ग्रीन कार्ड जारी किया गया। अब तक जिले में लगभग 150 वाहनों के ग्रीन कार्ड बनाए जा चुके हैं। वाहन संचालक देवेंद्र सिंह और हिमांशु पंवार ने बताया कि फिटनेस जांच के बाद उन्हें ग्रीन कार्ड मिल गया है। परिवहन विभाग के संभागीय निरीक्षक चेतन प्रकाश ने बताया कि 7 अप्रैल से शुरू हुई इस प्रक्रिया के तहत अब तक 150 वाहनों का निरीक्षण कर ग्रीन कार्ड दिया जा चुका है। उन्होंने वाहन संचालकों से अपील की सभी वाहन फिट रखें अन्यथा यात्र-ाकाल में नियमों के तहत चालान की कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने निकाली रैली

रुद्रप्रयाग। वेतन वृद्धि सहित 11 सूत्री मांगों के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने ऊखीमठ तहसील परिसर में क्रमिक अनशन शुरू कर दिया। आंदोलन के कारण सोमवार को सभी आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहे। उन्होंने बीएलओ समेत सभी कार्यों का बहिष्कार किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने वेतन वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर बाजार से तहसील परिसर तक रैली निकाली और सरकार से मांग हल करने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने सचिवालय बैठक में लंबित घोषणाओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट, गंगोलीहाट, कपकोट एवं बागेश्वर से संबंधित मुख्यमंत्री घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन घोषणाओं पर अभी तक शासनादेश जारी नहीं हुए हैं, उनके संबंध में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि लंबित घोषणाओं पर अधिकतम 20 दिनों के भीतर शासनादेश जारी कर दिए जाएं, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की देरी न हो।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य सरकार के मूल मंत्र ह्लसरलीकरण, समाधान, निस्तारण और संतुष्टिह्व के आधार पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का संबंधित क्षेत्र के विधायकगणों के साथ समन्वय स्थापित कर उनका प्रभावी समाधान निकाला जाए, ताकि विकास कार्यों की गति बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वन भूमि स्थानांतरण से जुड़े मामलों की जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि वन भूमि से संबंधित प्रक्रियाओं में तेजी लाकर विकास कार्यों में बाधा को दूर किया जाए। साथ ही, इस विषय में विभागीय समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर भी बल दिया गया।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत निर्मित सड़कों के रख–रखाव के लिए संबंधित विभागों की एक समन्वय समिति गठित की जाए। उन्होंने कहा कि इस समिति द्वारा सड़कों के मेंटिनेंस कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम और सुरक्षित बना रहे।

अभिनेत्री सारा अली खान ने की पंवाली कांठा की वादियों में ट्रैकिंग

नई टिहरी। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने उत्तराखंड के टिहरी जनपद स्थित प्रसिद्ध पंवाली कांठा बुग्याल का ट्रेक कर पहाड़ों की अद्भुत खूबसूरती और बर्फबारी का भरपूर आनंद लिया। उनकी इस यात्रा ने एक बार फिर उत्तराखंड के बुग्यालों की ओर पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया। स्काईहाइक कंपनी के ट्रैकर कुलदीप रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि सारा अली खान टिहरी के घुत्तू क्षेत्र पहुंचीं, जहां से उन्होंने ग्वाणा गांव से लगभग 18 किलोमीटर लंबे पैदल ट्रेक की शुरुआत की। यह ट्रेक प्राकृतिक सौंदर्य, घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों के बीच से होकर गुजरता है, जो ट्रैकर्स के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है। ट्रेक के दौरान सारा अली खान ने सादगी का परिचय देते हुए खुद को एक सामान्य यात्री की तरह प्रस्तुत किया।

फाइलों में कैद भटवाड़ी केंद्रीय विद्यालय, पलायन को मजबूर सीमांतवासी

नई टिहरी। सीमांत विकासखंड भटवाड़ी में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग पिछले एक दशक से लगातार उठ रही है लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों ने इस पर नाराजगी व्यक्त की है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और अभिभावकों का कहना है कि वर्ष 2014–15 से इस संबंध में शासन–प्रशासन के स्तर पर लगातार पत्राचार और प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं बावजूद इसके मामला फाइलों तक ही सीमित है। केंद्रीय विद्यालय की मांग को लेकर लंबे समय से संघर्षरत स्थानीय निवासी केशव नौटियाल का कहना है कि भटवाड़ी जैसे सुदूर और चीन सीमा से सटे क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम शिक्षा के अभाव के कारण अभिभावकों को बच्चों को पढ़ाई के लिए शहरों की ओर भेजना पड़ रहा है। इससे क्षेत्र में पलायन की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। राजेश रतूड़ी, अनिल रतूड़ी का कहना है कि लगभग 44 ग्राम सभाएं आती हैं और बड़ी संख्या में सेना व अर्द्धसैनिक बलों के परिवार भी निवास करते हैं जिन्हें केन्द्रीय विद्यालय की सख्त आवश्यकता है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन की ओर से विद्यालय संचालन के लिए अस्थायी व्यवस्था के लिए भवन मरम्मत, कक्ष–कक्षों के रंग रोगन और जर्जर आवासीय भवनों के ध्वस्तीकरण के लिए करीब 1.48 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भी पूर्व में भेजा जा चुका है ।

तत्क्षण वाद—विवाद प्रतियोगिता में मोहम्मद मुदस्सिर ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः डॉ० पी० द० ब० हि० राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के वाणिज्य संकाय में वाणिज्य परिषद के तत्वाधान में तत्क्षण वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के शुभारंभ में प्रतियोगिता प्रभारी डॉ० एस० के० गुप्ता ने तत्क्षण वाद–विवाद प्रतियोगिता की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से न केवल छात्र–छात्राओं को अपने विचारों की अभिव्यक्ति हेतु एक प्लेटफार्म मिलता है बल्कि उनके सर्वांगीण विकास में भी यह प्रतियोगिताएं सहायक होती है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में पर्यटन की संभावनाएं, सोशल मीडिया, महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता विकास, इजरायल–ईरान युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, उत्तराखंड में बेरोजगारी एवं पलायन की समस्या तथा शेयर मार्केट में निवेश जैसे विषयों को इस प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। प्रतियोगिता में मोहम्मद मुदस्सिर, दिव्यांशी ध्यानी, नितिन, कंगना रावत, अपूर्वा रावत, वंदना, अर्पित सिंह, मोहित सैनी, आयुष प्रजापति आदि छात्र–छात्राओं ने उक्त विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग प्रभारी प्रोफेसर प्रीति रानी ने तत्क्षण वाद–विवाद प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्र–छात्राओं को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर भाग लेने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० अंशिका बंसल द्वारा किया गया। निर्णायको द्वारा लिए गए निर्णय के आधार पर बी कॉम चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र मोहम्मद मुदस्सिर ने प्रथम स्थान, बी कॉम द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अपूर्वा रावत ने द्वितीय स्थान तथा बी कॉम चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र आयुष प्रजापति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ रिचा जैन, डॉ प्रियंका अग्रवाल, डॉ संदीप अग्रवाल एवं बड़ी संख्या में वाणिज्य संकाय के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

भारतीय गौ क्रांति मंच ने की गौमाता को राज्य माता घोषित करने की मांग

देहरादून। भारतीय गौ क्रांति मंच ने उत्तराखंड में गौमाता को आगामी विधानसभा सत्र में नियम 87 के तहत राज्य माता घोषित करने की मांग की है। सोमवार को प्रेस क्लब में आयोजित वार्ता उत्तराखंड गौ सांसद प्रभारी एवं टिहरी गौ सांसद अनुसूया प्रसाद उनियाल ने कहा कि गौमाता को राज्य माता का दर्जा दिलाने के लिए प्रदेशभर में जनसमर्थन जुटाया जा रहा है। इस पहल को सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए सरकार से इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने बताया कि मंच द्वारा विभिन्न स्तरों पर जनजागरण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों को इस विषय से जोड़ा जा सके। गौमाता को राष्ट्रमाता का संवैधानिक दर्जा देने को लेकर संत समाज और सामाजिक संगठन पूरी तरह सहमत हैं। संत गोपाल मणि महाराज ने अपना पूरा जीवन गौमाता को समर्पित कर दिया है। लेकिन यह विषय केन्द्रीय सूची में न होकर राज्य सूची में है। जिस कारण पहले राज्य स्तर पर राज्यमाता घोषित करने की दिशा में पहल जरुरी हो गई है।

विधायक ने की दो लाख की धनराशि देने की घोषणा

रुद्रप्रयाग। अगस्त्य महोत्सव एवं बैसाखी मेले के तीसरे दिन लोगों की भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, योगेश बेंजवाल एवं राजेश बेंजवाल ने किया। विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि बैसाखी मेला क्षेत्र में खुशहाली और समृद्धि का संदेश लेकर आता है। उन्होंने मेला समिति को दो लाख की धनराशि देने की घोषणा की। इस अवसर पर गुरुकुल नेशनल स्कूल अगस्त्यमुनि के बच्चों ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। उत्तराखंड में आधुनिकता वरदान या अभिशाप विषय पर हुई वाद–विवाद प्रतियोगिता में छात्रा रिया और इस्पिता ने प्रस्तुति दी। लोकगायक मातबर सिंह ने पलायन की पीड़ा पर मार्मिक गीत प्रस्तुत किया। लोकगायिका मीना राणा, अमित खरे और अनुराग ने गढ़वाली गीतों की प्रस्तुति दी।

रांसी—गौंडार सड़क की तीन किमी तक हुई कटिंग

रुद्रप्रयाग। द्वितीय केदार मदमहेश्वर यात्रा मार्ग को सुगम बनाने के लिए रांसी से गौंडार तक पांच किमी सड़क निर्माण कार्य तेजी से जारी है। अब तक करीब तीन किमी सड़क की कटिंग पूरी कर ली गई है जबकि शेष दो किमी कार्य बचा हुआ है। इस सड़क के बनने से रांसी से गौंडार के बीच पैदल दूरी कम होगी। वहीं मदमहेश्वर जाने वाला पैदल मार्ग भी घटकर लगभग 11 किमी रह जाएगा। ग्राम सभा के पूर्व प्रधान बीरेंद्र सिंह पंवार ने बताया कि सड़क निर्माण के कारण पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे गांव तक खाद्यान्न पहुंचाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क निर्माण का कार्य धीमी गति से चल रहा है। लोनिवि ऊखीमठ के अधिशासी अभियंता राम प्रकाश नैथानी ने बताया कि 2.49 करोड़ रुपये की लागत से इस सड़क का निर्माण किया जा रहा है। प्रयास है कि मद्महेश्वर मंदिर के कपाट खुलने से पहले अधिकांश कार्य पूरा कर लिया जाए। यात्रा शुरू होते ही निर्माण कार्य रोक दिया जाएगा जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। साथ ही पैदल मार्ग को भी दुरुस्त किया जाएगा।

इस बार भी अस्थायी पुल से होगी आवाजाहीः रांसी से गौंडार के बीच स्थित पैदल पुल पिछली आपदा में क्षतिग्रस्त हो गया था जो अब तक नहीं बन पाया है।

केदारनाथ में डीएम व एसपी ने लिया तैयारियों का जायजा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की यात्रा तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने जिला एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम के साथ केदारनाथ धाम पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि यात्रा शुरू होने से पूर्व धाम में सभी मूलभूत सुविधाएं हर हाल में पूरी कर ली जाएं। उन्होंने पैदल मार्ग पर भी निरीक्षण करते हुए यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि केदारनाथ धाम में कई स्थानों पर 4 से 5 फीट तक बर्फ है जिसे हटाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि यात्रा के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

वन्य जीवों का सुरक्षा कवच बनेगा दिल्ली—दून एक्सप्रेस—वे पर बना वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर

देहरादून। दिल्ली–दून एक्सप्रेस–वे पर बना एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कारिडोर वन्य जीवों का सुरक्षा कवच बनेगा। यही नहीं, इसके निर्माण से मानव–वन्य जीव संघर्ष में कमी की प्रबल संभावना है। इस 12 किलोमीटर लंबे एशिया के संबसे लंबे एलिवेटेड कारिडोर को विकास और पारिस्थितिकी के संतुलन का बेहतरीन उदाहरण माना जा रहा है। दिल्ली–दून एक्सप्रेस–वे और उससे जुड़े वन और वन्य जीवों के विषय को लेकर सोमवार को वन मंत्री सुबोध उनियाल ने प्रेस कान्फ्रेंस की। वन मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में उन्होंने इस कॉरिडोर से वन एवं वन्य जीवों को होने वाले लाभों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का आखिरी 20 किलोमीटर भाग उत्तर प्रदेश के शिवालिक वन प्रभाग एवं उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व व देहरादून वन प्रभाग के घने वन क्षेत्रों से होकर गुजरता है। यह परियोजना विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। वन मंत्री ने जानकारी दी कि उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश में इस परियोजना के अंतर्गत वन भूमि के हस्तांतरण के सापेक्ष व्यापक स्तर पर प्रतिपूरक वृक्षारोपण किया गया है। कुल 165.5 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रतिपूरक वृक्षारोपण कार्य किया गया है, जिसमें 1.95 लाख पेड़ लगाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट मॉनिटरिंग कमेटी के निर्देशन में 40 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि से वन एवं वन्य जीव सरंक्षण हेतु इको रेस्टोरेशन के विभिन्न कार्य भी संपादित किए जा रहे हैं।

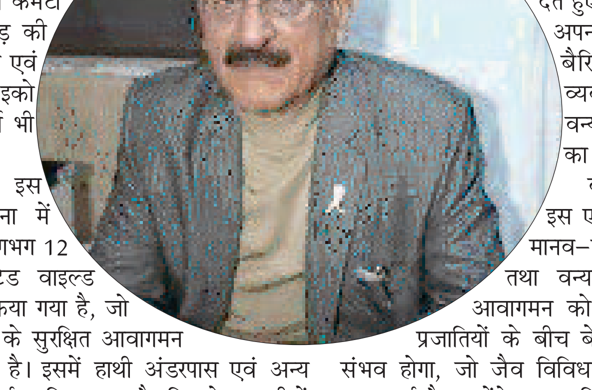

उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में एशिया का सबसे लंबा लगभग 12 किलोमीटर का एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर निर्मित किया गया है, जो विशेष रूप से वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन हेतु विकसित किया गया है। इसमें हाथी अंडरपास एवं अन्य वन्यजीवों पास का भी निर्माण किया गया है, जिससे वन्यजीवों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि परियोजना के निर्माण के दौरान वन्य जीवों की सुरक्षा को सवोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाए गए हैं। इसके अंतर्गत साउंड बैरियर एवं लाइट बैरियर जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे वन्यजीवों पर शोर एवं प्रकाश प्रदूषण का न्यूनतम प्रभाव ही पड़े।

वन मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि इस एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण से मानव–वन्यजीव संघर्ष में कमी आएगी तथा वन्यजीवों के सुरक्षित एवं सुगम आवागमन को बढ़ावा मिलेगा। इससे विभिन्न प्रजातियों के बीच बेहतर आनुवंशिक आदान–प्रदान संभव होगा, जो जैव विविधता के संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कॉरिडोर के निर्माण से अगले 20 वर्षों में 240 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जो कि लगभग 60–68 लाख पेड़ों के द्वारा किए जाने वाले कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण के समान है। साथ ही 19 प्रतिशत ईंधन की बचत भी होगी। वन मंत्री ने कहा कि यह परियोजना वन्य जीवों के लिए सुरक्षित प्रवास के साथ समय में कमी लाएगी। साथ ही, पर्यटन, व्यापार एवं स्थानीय रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देगी, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी । प्रेस कान्फ्रेंस में वन विभाग के पीसीसीएफ (हॉफ) आर के मिश्रा व अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।तकनीक ने बचा लिए 33,840 पेड़ः दिल्ली–दून एक्सप्रेस–वे परियोजना के निर्माण के दौरान पहले 45 हजार पेड़ काटने की आवश्यकता बताई गई थी, लेकिन वैज्ञानिकों की कुशलता और तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से 33,840 पेड़ कटने से बच गए।

वन मंत्री के अनुसार–इस परियोजना के निर्माण 11,160 पेड़ों को काटना पड़ा, जबकि पूर्व में 45 हजार पेड़ काटे जाने की बात थी।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 गौरव, विकास और संकल्प का पर्व

देवभूमि उत्तराखण्ड

आगमन पर प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन

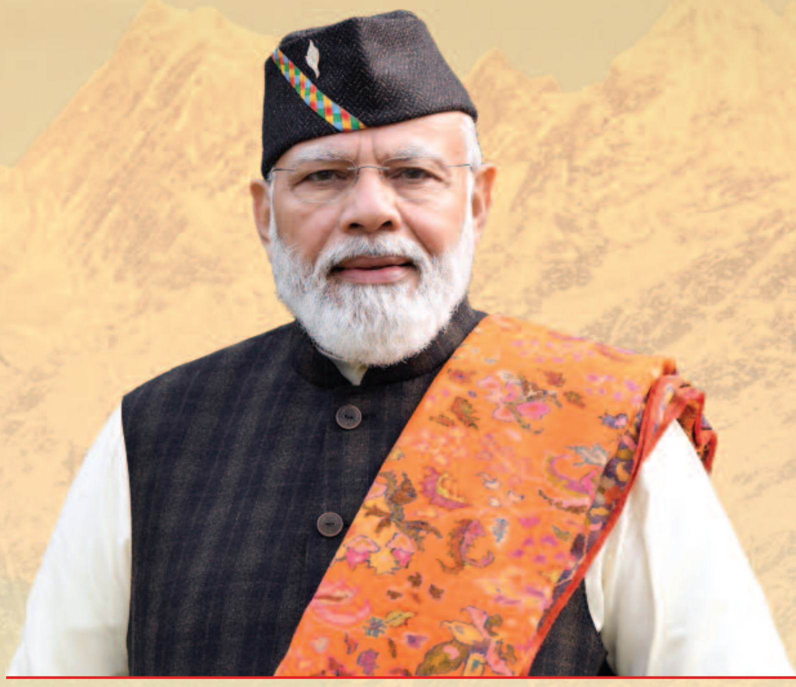

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

"माननीय प्रधानमंत्री जी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। उनके मार्गदर्शन में राज्य में आधारभूत संरचना, कनेक्टिविटी, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति हुई हैं। 'विकसित भारत @2047' के विजन को साकार करने में उत्तराखंड अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए संकल्पबद्ध है।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

रूपये 11970 करोड़ की 210 किमी. लम्बी

दिल्ली- देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर

परियोजना का लोकार्पण प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के कर कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

ले ज गुरमीत सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (से नि) राज्यपाल, उत्तराखण्ड

नितिन गडकरी
केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

अजय टम्टा
केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री

श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह
सांसद

आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

कार्यक्रम

दिनांक : 14 अप्रैल 2026

समय : प्रातः 10:00 बजे

स्थान: जसवंत सिंह आर्मी ग्राउंड, गढ़ी कैंट देहरादून, उत्तराखण्ड

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

संपादकीय

महत्वाकांक्षी सफर की शुरुआत

देहरादून से अक्षरधाम तक एक आलीशान और कम समय में अधिक दूरी तय करने का हाईवे जनता को समर्पित करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस हाइवे को देश को समर्पित करेंगे तो वही इस हाइवे को लेकर इसके उद्घाटन से पहले ही हुई दुर्घटनाओं से कई प्रकार के सवाल भी खड़े होने लगे हैं। हालांकि राज्य सरकार का कहना है कि यह पूरा हाईवे उच्च तकनीक से बनाया गया है जिसमें पर्यावरण की सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखा गया है और साथ ही इस बात को भी ध्यान में रखा है कि हाईवे बनने के दौरान किसी भी प्रकार से वन्य जीवों को नुकसान न पहुंचे। सरकार का दवा है कि यह हाईवे वन्य जीवों के लिए एक सुरक्षा कवच भी बनेगा क्योंकि उनके आवागमन का रास्ता अब अलग होगा और दुर्घटनाओं की आशंकाएं भी कम होगी। प्राकृतिक आनंद की दृष्टि से देखें तो यह वाइल्ड लाइफ एलिवेटेड कॉरिडोर 12 किलोमीटर लंबा है और इस 20 किलोमीटर वन क्षेत्र शामिल है। इस एलिवेटेड कॉरिडोर हाईवे की विशेषता इसी बात से आगे जाती है कि इसके पूरे निर्माण में 40 करोड़ के अतिरिक्त बजट से महत्वपूर्ण कार्य पूरे करवाए जा रहे हैं। क्योंकि यह हाईवे बनने से दूरी और समय काम होगा तो निश्चित तौर पर ईंधन में भी बचत होगी जो की लगभग 19% तक आंकी गई है। इस पूरी परियोजना का आखिरी 20 किलोमीटर भाग उत्तर प्रदेश के शिवालिक वन प्रभाग एवं उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व व देहरादून वन प्रभाग के घने वन क्षेत्रों से होकर गुजरता है। इस परियोजना के शुरू होने से पर्यावरण पर एक बड़ा खतरा बताया जा रहा था लेकिन सरकार का दावा है कि परियोजना के अंतर्गत वन भूमि के हस्तांतरण के सापेक्ष व्यापक स्तर पर प्रतिपूरक वृक्षारोपण किया गया है। कुल 165.5 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रतिपूरक वृक्षारोपण कार्य किया गया है, जिसमें 1.95 लाख पेड़ लगाए गए हैं। परियोजना के निर्माण के दौरान वन्य जीवों की सुरक्षा को सवोच्च प्राथमिकता दी गई है और साउंड बैरियर एवं लाइट बैरियर जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे वन्यजीवों पर शोर एवं प्रकाश प्रदूषण का न्यूनतम प्रभाव ही पड़े। यह परियोजना वन्य जीवों के लिए सुरक्षित प्रवास के साथ समय में कमी लाएगी। साथ ही, पर्यटन, व्यापार एवं स्थानीय रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देगी, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कहा जा रहा है कि परियोजना के निर्माण के दौरान पहले 45 हजार पेड़ काटने की आवश्यकता बताई गई थी, लेकिन वैज्ञानिकों की कुशलता और तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से 33,840 पेड़ कटने से बच गए। हालांकि 11,160 पेड़ों को काटना पड़ा, जबकि पूर्व में 45 हजार पेड़ काटे जाने की बात थी। बरहाल एक महत्वपूर्ण तैयार है जिसकी एक लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई से 3 घंटे में पूरा होने का दावा किया गया है लेकिन वाहन चालकों को जल्दबाजी से अधिक सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखना होगा।

नारी शक्ति वंदन शंका व संग्राम

विनोद कुमार सिंह

संसद का विशेष सत्र का ऐसे समय बुलाया गया है जब 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रही है।

विश्व का सबसे बड़े लोकतंत्र भारत वर्तमान परिपेक्ष में एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है,जहाँ सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक रणनीति एक-दूसरे में गुंथकर नई दिशा तय कर रहे हैं। 'नारी शक्ति वंदन' का उभरता विमर्श,संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र और इसके इर्द-गिर्द तेज होती राजनीतिक हलचल इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब केवल चर्चा का विषय नहीं,बल्कि सत्ता-समीकरण का केंद्र बन चुकी है। यह वह काल है, जहाँ नारी शक्ति का प्रश्न भावनात्मक अपील से आगे बढ़कर ठोस राजनीतिक और संवैधानिक निर्णयों की कसौटी पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक विज्ञान भवन में दिए गए वक्तव्यों ने इस बहस को नई गति दी है।केन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है। परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है।भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं। उनका तर्क है कि पिछले वर्षों में महिलाओं को आर्थिक,सामाजिक और स्वास्थ्य के स्तर पर मजबूत करने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं,वे अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में परिणत होने जा रही हैं।जनधन योजना के माध्यम से बैंकिंग पहुँच, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण और 'लखपति दीदी' जैसी पहलों को इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।उनका यह तर्क दिया जा रहा है कि जब आधार तैयार हो चुका है,तब राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना स्वाभाविक अगला कदम है।वही इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस पूरी प्रक्रिया को अधूरा और प्रश्नों से घिरा हुआ मानते हैं।उनका कहना है कि यदि महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण देना है,तो आरक्षण के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए,ताकि पिछड़े वर्गों,दलितों और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।इसके साथ ही वे इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि क्रियान्वयन को भविष्य की समयसीमा से क्यों जोड़ा गया है।विपक्ष के अनुसार, यह देरी कहीं न कहीं इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने की रणनीति को दशार्ती है।यह टकराव केवल विधायी प्रक्रिया का नहीं,बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का संघर्ष बन चुका है। एक ओर सत्ता पक्ष इसे उपलब्धियों की श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत कर रहा है,तो दूसरी ओर विपक्ष इसे अधूरी प्रतिबद्धता और राजनीतिक गणित का परिणाम बताने में लगा है।इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्ष 'नारी शक्ति' को अपने-अपने तरीके से केंद्र में रख रहे हैं,जो इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं का मुद्दा अब भारतीय राजनीति में निर्णायक बन चुका है।अगर हम इस पहलू के संभावित लाभों की चर्चा करें तो यह स्पष्ट है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र अधिक संतुलित और समावेशी बन सकता है।पंचायत स्तर पर महिलाओं की सक्रिय भूमिका पहले ही यह साबित कर चुकी है कि जब उन्हें अवसर मिलता है,तो वे विकास की प्राथमिकताओं को नई दिशा देती हैं। जल, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसे विषयों पर उनका दृष्टिकोण अधिक संवेदनशील और व्यावहारिक होता है।यदि यही अनुभव संसद और विधानसभाओं तक पहुंचता है,तो नीतियों में व्यापक बदलाव संभव है। इसके साथ ही चुनावी राजनीति में महिलाओं की भूमिका भी तेजी से बदल रही है।वे अब केवल मतदाता नहीं,बल्कि निर्णायक मतदाता के रूप में उभर रही हैं। पिछले कुछ चुनावों में यह देखा गया है कि महिला मतदाताओं की भागीदारी और उनके मतदान के पैटर्न ने कई राज्यों में परिणामों को प्रभावित किया है।यही कारण है कि सभी राजनीतिक दल अब इस वर्ग को अपने पक्ष में करने के लिए विशेष रणनीतियां बना रहे हैं।

हालांकि,इस पूरी प्रक्रिया के सामने कई चुनौतियां भी हैं।सबसे बड़ी चुनौती है क्रियान्वयन की विश्वसनीयता।यदि यह पहल केवल घोषणा तक सीमित रह जाती है या इसमें अनावश्यक देरी होती है,तो इसका प्रभाव कमजोर पड़ सकता है। इसके अलावा,यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि महिलाओं को केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व न मिले,बल्कि वे वास्तविक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनें। पंचायत स्तर पर कई जगहों पर देखी गई 'प्रॉक्सी राजनीति' की प्रवृत्ति को भी गंभीरता से रोकना होगा,अन्यथा इस पहल का मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकता है। आने वाले विधानसभा चुनाव इस पूरे विमर्श की वास्तविक परीक्षा साबित होंगे।भाजपा और एनडीए इस मुद्दे को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करते हुए महिला मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास करेंगे।वहीं कांग्रेस और विपक्ष इस मुद्दे को अधूरे वादे और सामाजिक न्याय के अधूरे पहलू के रूप में उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे।इस राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच महिला मतदाता ही वह निर्णायक शक्ति होंगी,जो इस बहस को वास्तविक

परिणाम में बदलेंगी। राजनीतिक दृष्टि से यह पहल दो पक्षों के लिए अवसर और जोखिम दोनों लेकर अ है।यदि सरकार इसे प्रभावी ढंग से लागू करती है अं महिलाओं के बीच विश्वास कायम रखती है,तो यह उ दीर्घकालिक लाभ दे सकता है।वहीं यदि विपक्ष इस मु को सामाजिक न्याय और वास्तविक सशक्तिकरण व्यापक संदर्भ में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है,तो व भी राजनीतिक रूप से लाभान्वित हो सक है।अंततः'नारी शक्ति वंदन' केवल एक विधायी पह नहीं, बल्कि भारतीय समाज और राजनीति के ग परिवर्तन का संकेत है।यह उस दिशा में एक कदम है,ज महिलाएं केवल भागीदार नहीं,बल्कि नीति-निमा बनेंगी।संसद का विशेष सत्र, राजनीतिक दलों के बी टकराव और चुनावी रणनीतियाँ का हिस्सा हो । कु मिलाकर एक ऐसे भविष्य की रूपरेखा तैयार कर हैं,जिसमें आधी आबादी की आवाज न केवल सु जाएगी, बल्कि वही देश की दिशा भी तय करेगी।भा का लोकतंत्र तभी पूर्ण और सशक्त माना जाएगा,ज उसकी आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में समान रूप भागीदार होगी।वर्तमान परिदृश्य इसी दिशा में बढ़ता हु एक महत्वपूर्ण अध्याय है,जो भविष्य में देश की राजनी और समाज दोनों को गहराई से प्रभावित करेगा।

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

उमेश चतुर्वेदी

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्त्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है।

भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है।

बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद व सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपू को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है वि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पृ तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह ब सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ व ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षम लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोत्त वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत व जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अप जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐ व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्र राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुख होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अप जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा वह गौर करने लायक है।

डॉ. अंबेडकर : संविधान के शिल्पकार, सामाजिक न्याय के महानायक

योगेश कुमार गोयल

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है।

व्यक्ति नहीं, क्रांति का नाम है डॉ. भीमराव अंबेडकर...

भारत के सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक इतिहास में डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट बौद्धिक और नैतिक शिखर के रूप में स्थापित है, जिसने भारतीय समाज की जड़ता को चुनौती देते हुए उसे समता, न्याय और बंधुत्व के आधुनिक मूल्यों से आलोकित किया। वे केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक जीवंत विचारधारा, एक जागृत चेतना और एक सतत सामाजिक क्रांति के पर्याय हैं। 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे अंबेडकर ने उस सामाजिक यथार्थ को स्वयं जिया, जिसमें जन्म के आधार पर मनुष्य की गरिमा निर्धारित की जाती थी। बाल्यावस्था में झेली गई उपेक्षा, भेदभाव और अपमान ने उनके भीतर निराशा नहीं, परिवर्तन की एक प्रखर और संगठित चेतना को जन्म दिया। उनके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत संघर्षों को व्यापक सामाजिक संघर्ष में रूपांतरित किया। शिक्षा उनके लिए केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं थी बल्कि सामाजिक मुक्ति का सबसे सशक्त औजार थी।

सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद डॉ. अंबेडकर ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त की। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे विश्वविख्यात संस्थानों में अध्ययन करते हुए उन्होंने अर्थशास्त्र, राजनीति और विधि के क्षेत्र में गहन अध्ययन किया और अपने ज्ञान को सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित किया। यह शिक्षा ही थी, जिसने उन्हें भारतीय समाज की संरचनात्मक विसंगतियों को समझने और उनके समाधान के लिए ठोस नीतिगत दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम बनाया। अंबेडकर का जीवन केवल संघर्षों का इतिहास नहीं बल्कि समाधान की एक सुविचारित और व्यवस्थित प्रक्रिया है। उन्होंने यह स्पष्ट रूप से समझ लिया था कि सामाजिक परिवर्तन केवल भावनात्मक आवेग से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए वैचारिक स्पष्टता, संगठित प्रयास और संस्थागत ढांचे की आवश्यकता होती है। 1927 का महाड़ सत्याग्रह इसी सोच का परिणाम था, जिसमें उन्होंने दलितों के लिए सार्वजनिक जल स्त्रोतों तक पहुंच सुनिश्चित करने के अधिकार की मांग की। यह केवल पानी के अधिकार का प्रश्न नहीं था बल्कि सामाजिक समानता के मूल सिद्धांत की स्थापना का प्रयास था। इसी प्रकार 1930 का कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन धार्मिक स्थलों में समान

अधिकार की मांग का प्रतीक था, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अंबेडकर का संघर्ष केवल सामाजिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक समानता के लिए भी था।

महात्मा गांधी के साथ 1932 में हुआ पूना समझौता अंबेडकर की राजनीतिक दूरदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचायक था। उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता किए बिना राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दी। यह समझौता इस बात का उदाहरण था कि वे केवल संघर्ष करने वाले नेता नहीं थे बल्कि समाधान खोजने वाले युगदृष्टा भी थे। भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उन्हें इतिहास में एक अद्वितीय स्थान प्रदान करती है। संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसे लोकतांत्रिक ढांचे की रचना की, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी मिले। उनके लिए संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं था बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त साधन था। उन्होंने संविधान में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह भारतीय समाज की विविधता के बीच एकता को बनाए रखने का माध्यम बन सके।

डॉ. अंबेडकर ने यह स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक लोकतंत्र स्थापित नहीं हुआ तो राजनीतिक लोकतंत्र भी स्थायी नहीं रह पाएगा। उनका यह दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय था। उन्होंने अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था, मौलिक अधिकारों की स्थापना और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के माध्यम से एक समावेशी समाज की नींव रखी। अंबेडकर की क्रांतिकारी चेतना का एक महत्वपूर्ण आयाम उनका धार्मिक दृष्टिकोण भी था। उन्होंने धर्म को व्यक्ति की गरिमा और सामाजिक समानता के संदर्भ में देखा। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने बौद्ध धर्म ग्रहण किया, जो उनके जीवन का एक ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक निर्णय था। यह केवल धर्म परिवर्तन नहीं था बल्कि सामाजिक अन्याय के विरुद्ध एक सशक्त वैचारिक घोषणा थी। बौद्ध धर्म के माध्यम से उन्होंने करुणा, समता और मानवता के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया।

डॉ. अम्बेडकर के जीवन का एक और महत्वपूर्ण पहलू उनका बौद्धिक और वैचारिक संघर्ष था। उन्होंने लेखन और भाषणों के माध्यम से समाज की जटिल समस्याओं का विश्लेषण किया और उनके समाधान प्रस्तुत किए। उनकी कुछ प्रसिद्ध कृतियां आज भी सामाजिक चिंतन का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने तर्क, विज्ञान और विवेक को अपने विचारों का आधार बनाया और अंधविश्वास, रूढ़ियों तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई। 1951 में हिंदू कोड बिल के पारित न होने पर उनका मंत्रिमंडल से इस्तीफा इस बात का प्रमाण है कि उनके लिए सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण सिद्धांत थे। यह घटना उनके चरित्र की दृढ़ता और नैतिक प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह उस समय के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत क्रांतिकारी था।

आज, जब भारत सामाजिक और आर्थिक विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, डॉ. अंबेडकर के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं। जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता और सामाजिक विषमता जैसी चुनौतियां यह संकेत देती हैं कि उनकी आरंभ की गई सामाजिक क्रांति अभी अधूरी है। उनके विचार हमें यह सिखाते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक न्याय और समान अवसरों की सतत प्रक्रिया है। अंबेडकर का मानना था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जाना चाहिए। यह विचार आज भी लैंगिक समानता के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और 8 घंटे के कार्यदिवस जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया।

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है। वास्तव में अंबेडकर एक नाम नहीं बल्कि वह क्रांति हैं, जो तब तक जीवित रहेगी, जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति न्याय, सम्मान और समान अवसर प्राप्त नहीं कर लेता। उनकी विरासत हमें यह स्मरण कराती है कि एक सशक्त और समतामूलक भारत का निर्माण तभी संभव है, जब हम उनके विचारों को केवल स्मरण न करें बल्कि उन्हें अपने आचरण और नीतियों में भी उतारें।

एक नजर

सड़क धंसने से जगह–जगह हो गए गड्ढे, हादसों का डर

कोटद्वार। भाबर के रामदयालपुरझसिगड्डी ग्रोथ सेंटर मुख्य मोटर मार्ग पर जगह–जगह सड़क धंसने के कारण गड्ढे हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने लोनिवि से गड्ढों की मरम्मत कर समस्या का निवारण करने की मांग की है। भाबर क्षेत्र के निवासी उद्यमी सुरेश ठाकुर, सुनील गुप्ता, साहिल, स्थानीय निवासी सुमन केष्टवाल, सुनील राणा, उमेश कुकसाल, जयप्रकाश कोटनाला, कविता डबराल, पंकज कपटियाल का कहना है कि रामदयालपुर से सिगड्डी ग्रोथ सेंटर के बीच मुख्य मोटर मार्ग पर सड़क धंसने से बड़े–बड़े गड्ढे हो चुके हैं। मार्ग पर सिगड्डी ग्रोथ सेंटर स्थित कंपनियां होने के कारण सैकड़ों कर्मचारियों और श्रमिकों का आवागमन लगातार बना रहता है। गड्ढों की चपेट में आकर आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। अचानक सड़क धंसने से होने वाले गड्ढों के कारण वाहन अनियंत्रित होकर पलटने का खतरा बना है। स्थानीय लोगों ने लोनिवि से गड्ढों की मरम्मत कर समस्या के निवारण की मांग की है।

गौचर के सागर बने एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट

चमोली। स्टाफ सिलेक्शन कमीशन की कंबाइंड ग्रेजुएट लेबल (एसएससी–सीजीएल) परीक्षा पास कर सागर सिंह नेगी (22) का चयन जीएसटी विभाग में एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट पद पर हुआ है। मूल रूप से पोखरी ब्लॉक के क्वींठी गांव निवासी सागर नेगी वर्तमान में राजस्थान के अलवर जिले में आईटीबीपी में सब इंस्पेक्टर पद पर तैनात हैं। एसएससी परीक्षा से सैन्य बलों में सम्मानित पदों पर काबिज होना उनका जुनून रहा है। इससे पहले वह एसएससी के माध्यम से सीआरपीएफ में छह माह तक सब इंस्पेक्टर रहे। फिर एसएसटी परीक्षा पास कर आईटीबीपी में सब इंस्पेक्टर बने। सागर की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा केंद्रीय विद्यालय गौचर से हुई। उन्होंने गढ़वाल विवि से बीएससी स्नातक किया। उनके पिता पान सिंह नेगी आईटीबीपी से वर्ष 2019 में सेवानिवृत्त हैं जबकि सागर की माता इंदु नेगी गृहणी हैं। उनका परिवार नगर में निवासरत है। उनके चयन पर विधायक अनिल नौटियाल, पालिका अध्यक्ष संदीप नेगी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी, व्यापार संघ अध्यक्ष राकेश लिंगवाल, जनकल्याण लोक सेवा समिति के अध्यक्ष सुनील पंवार, ग्राम प्रधान क्वींठी मुकेश रावत, वार्ड सभासद चैतन्य बिष्ट, हरीश मिश्रा आदि ने उन्हें बधाई दी।

बिजली, पानी के लिए तेजी से किया जा रहा काम

चमोली। बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने में चंद दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में प्रशासन धाम में यात्रा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुट गया है। धाम में सभी कार्यों को तेजी से कराया जा रहा है। चारधाम यात्रा के दौरान बदरीनाथ में विद्युत व्यवस्था, पेयजल लाइन व रास्तों के सुधारीकरण का कार्य चल रहा है। साकेत चौराह से मंदिर तक जाने वाले पैदल मार्ग को ठीक करने का काम तेजी से किया जा रहा है। मास्टर प्लान के कार्यों के चलते पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए थे। इन दिनों यहां यात्रा व्यवस्था से जुड़े कार्यों पर मशीन, मजदूर व कर्मी लगातार काम कर रहे हैं। उपजिलाधिकारी ने बताया कि धाम में यात्रा व्यवस्था से जुड़े कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। साकेत चौराह से मंदिर वाले मार्ग को दो–चार दिन में ठीक कर दिया जाएगा। कपाट खुलने से पूर्व सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद कर दी जाएंगी।

पौणा नृत्य के साथ बैसाखी मेला शुरू, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

चमोली। पौणा नृत्य व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ नंदप्रयाग में दो दिवसीय पौराणिक एवं सांस्कृतिक बैसाखी मेला शुरू हो गया है। मेले में विभिन्न गांवों की महिला मंगल दल और स्कूली छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। नंदप्रयाग के खेल मैदान में जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट और नगर पंचायत अध्यक्ष पृथ्वी सिंह रौतेला ने संयुक्त रुप से मेले का शुभारंभ किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि मेले संस्कृति के द्योतक होते हैं। मेला अध्यक्ष पृथ्वी सिंह रौतेला ने कहा कि 2016 के बाद से किन्हीं कारणों से मेले का आयोजन नहीं हो पाया। दस साल बाद फिर से मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले को भव्य रुप दिया जा रहा है। मेले में महिला मंगल दल नंदप्रयाग, भेरणी, सोनला की महिलाओं ने गंगा जी को देशा, मेरु गढ़देश हो.., कख हरची होला रीति–रिवाज पुराना.., कन प्यारा लगदा गौं घर, कनु स्वाणु दिखेंद हिंवाल, कन भली हमारी बोली–भाषा, कन भलु कुमौं–गढ़वाल.., जय नंदा, यु मासी को फूल.., कांधी मां धरेली राधा, खेरी की गिंजाली राधा.., सावन विराजा मेरा पहाड़ मां..आदि गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी। मेले की पहली सांस्कृतिक संध्या में जागर गायिका पम्मी नवल ने अपने गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर मेलाधिकारी/अधिशासी अधिकारी शिखर सिंह, मेले के कोषाध्यक्ष डॉ. सौरभ वैष्णव, राइंका के प्रधानाचार्य हरेंद्र बिष्ट आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने यात्रा मार्ग पर लगाए साइन बोर्ड

चमोली। पुलिस प्रशासन भी चारधाम यात्रा की तैयारियों में जुट गया है। बदरीनाथ हाईवे किनारे जगह–जगह साइन व चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे हैं। सोमवार को ज्योतिर्मठ और गोविंदघाट क्षेत्र में पुलिस की ओर से साइन बोर्ड लगाए गए। एसपी सुरजीत सिंह पंवार के निर्देश पर पुलिस की ओर से हाईवे किनारे पर जगह–जगह साइन बोर्ड लगाने का काम किया जा रहा है। इन साइन बोर्डों के माध्यम से स्लाइड जोन, संकरे मार्ग, तीव्र मोड़ के बारे में जानकारी दी जा रही है।

पार्किंग के अभाव में बिगड़ रही शहर की यातायात व्यवस्था

कोटद्वार में पार्किंग स्थल नहीं होने के कारण सड़कों पर बनी जाम की स्थिति

पूर्व में निरीक्षण के बाद भी अब तक नहीं मिल पाया पार्किंग स्थल
शहर में पार्किंग नहीं होने से लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लाख दावों के बाद भी सरकारी सिस्टम शहर में पार्किंग व्यवस्था नहीं बना पा रहा है। शहर में कुछ स्थलों को चिह्नित करने के बाद भी आज तक इन्हें पार्किंग स्थल के रूप में विकसित नहीं किया गया। नतीजा, सड़कों पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन जाम का मुख्य कारण बनते जा रहे हैं। सुबह से ही सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चलते हैं। जबकि, स्थानीय जनता लगातार प्रशासन, नगर निगम व जनप्रतिनिधियों के समक्ष पार्किंग व्यवस्था बनाने की मांग उठा रही है। त्योहार व शादी सीजन में स्थिति और अधिक विकराल हो जाती है।

शहर में लगातार वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में पार्किंग स्थल नहीं होने से यातायात व्यवस्था बेपटरी होती जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही अन्य मार्गों पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन जाम का मुख्य कारण बन रहे हैं। कई स्थानों पर तो आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

शहरवासियों की शिकायत के बाद नगर निगम ने एक वर्ष पूर्व शहर में सड़क किनारे चौड़े स्थानों को पार्किंग स्थल बनाने का निर्णय लिया था। बकायदा पार्किंग स्थल के लिए चिह्नित प्रेक्षागृह के निचले तल व तहसील के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दीवार पर पर्किंग शुल्क भी दर्शाया गया था। इसके तहत दोपहिया वाहनों के लिए दस रूपये व चार पहिया वाहनों के लिए बीस रुपये शुल्क निर्धारित किया गया था। लेकिन, सरकारी सिस्टम की यह योजना धरातल पर कहीं भी नजर नहीं आई। वहीं, कुछ माह पूर्व नगर निगम, प्रशासन, एनएच व सिंचाई विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए झंडाचौक से बेस अस्पताल तक पार्किंग स्थलों की तलाश की। सिस्टम ने दस दिन के भीतर योजना पर कार्य करने का आश्वासन दिया था। लेकिन, यह दवा भी हवाई साबित हुआ।

दुर्घटनाओं का खतरा

शहर में पार्किंग स्थल नहीं होने के कारण वाहन सड़क पर ही खड़े रहते हैं। ऐसे में आमजन को पैदल चलने का भी रास्ता नहीं मिल पाता। नतीजा लोगों को कई बार बीच सड़क से होते हुए आवागमन करना पड़ता है। जिससे हर समय दुर्घटानाओं का खतरा बना रहता है। यही नहीं स्टेशन रोड, पटेल मार्ग व देवी रोड में तो रेहड़ी-ठेली व दुकानदारों ने भी सड़क पर अपना कब्जा जमाया हुआ है। यदि पार्किंग स्थल मिल जाता है तो शहर में यातायात की व्यवस्था में काफी सुधार होगा।

एलिवेटर मार्ग निर्माण को धरना जारी, दी चेतावनी

कोटद्वार के चिलरखाल में धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः लालढांग- चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए लोगों का धरना जारी है। लोगों ने मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग उठाई। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लोगों ने सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। कहा कि वह पिछले कई माह से मार्ग निर्माण के लिए धरना दे रहे हैं। लेकिन, सरकार उनकी अनदेखी कर रही है। 12 फरवरी को न्यायालय के निर्देश के बाद भी धरातल पर मार्ग निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। यही नहीं, मार्ग पर व्यवसायिक वाहनों के संचालकों को लेकर भी संशय बना हुआ है। कहा कि मार्ग निर्माण से ही क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग कण्वाश्रम के बेहतर विकास के लिए भी आवश्यक है। जब तक धरातल पर एलिवेटेड मार्ग निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं होता उनका धरना जारी रहेगा। इस मौके पर प्रदीप रावत, मोहन सिंह, राजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

भव्य रूप से आज मनाई जाएगी अंबेडकर जयंती

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः संविधान निर्माता बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर जयंती संयुक्त समारोह समिति की ओर से अंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम कोटद्वार मालवीय उद्यान में होंगे। जानकारी देते हुए विकास कुमार आर्य ने बताया कि कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बच्चों के लिए भाषण, नृत्य, योग सहित अन्य प्रतियोगिताएं होंगे। साथ ही लोगों को बाबा साहेब के संघर्ष व जीवन के इतिहास से भी परिचित करवाया जाएगा। बताया कि कार्यक्रम में साहित्यकार, पत्रकार, कलाकार व प्रशासनिक अधिकारी भी प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम सुबह दस बजे से प्रांरभ होगा।

राष्ट्रीय पार्टियों के खिलाफ एक जुट हो लोग

संवाद यात्रा के दौरान केंद्रीय उपाध्यक्ष कुलदीप रावत का स्वागत करते संदीप रौतेला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः उत्तराखंड क्रांति दल ने लोगों से राष्ट्रीय पार्टियों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की है। कहा कि पहाड़ व पहाड़ की संस्कृति को बचाने के लिए आमजन को आगे आना होगा। प्रदेश का विकास केवल उत्तराखंड क्रांति दल ही कर सकता है।

संवाद यात्रा का स्वागत करते हुए चौबट्टाखाल के ब्लॉक अध्यक्ष संदीप रौथाण ने कहा कि राष्ट्रीय पार्टियों ने केवल जनता का शोषण किया है। आज भी पहाड़ के लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए पलायन कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस ने बारी-बारी से प्रदेश को लूटने का कार्य किया। लेकिन, अब जनता राष्ट्रीय पार्टियों की चाल को समझ चुकी है। आगामी विधानसभा चुनाव में जनता राष्ट्रीय पार्टियों के बहकावे में नहीं आने वाली। कहा कि यदि प्रदेश को बचाना है तो सत्ता तक उक्रांद का पहुंचना बहुत जरूरी है। कहा कि जनता की पीड़ा को सिर्फ क्षेत्रीय दल ही समझ सकता है। इस प्रदेश को बचाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

पोस्टर में गरिमा व भाषण प्रतियोगिता में दिव्यांशु रहा अव्वल

महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी में वाणिज्य परिषद के तत्वाधान में परिषदीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। पोस्टर प्रतियोगिता में गरिमा व भाषण में दिव्यांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर हरिश्चंद्र ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ट प्राध्यापक प्रो विमल कुकरेती ने विषय के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान को जानकर प्रयोग करने के लिए कहा। डॉ. गीता रावत शाह ने छात्र छात्राओं की प्रशंसा की तथा उन्हें सभी कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। डॉ कविता अहलावत ने वाणिज्य संकाय में संपन्न सभी कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। डॉ. दीप्ति मैठाणी ने गजल गाकर सभी को मोहित कर दिया। वाणिज्य संकाय के विभाग प्रभारी डॉ दिवाकर बौद्ध ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया साथ ही छात्र-छात्राओं को वाणिज्य में अच्छा कैरियर बनाने का सुझाव दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग शर्मा व हिमांशु नौटियाल ने किया। ाणिज्य संकाय के परिषदीय कार्यक्रम में सर्वप्रथम पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं ने वाणिज्य विषय के विभिन्न आयामों को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया। पोस्टर प्रतियोगिता में गरिमा बीकॉम चतुर सेमेस्टर ने प्रथम स्थान, दिव्यांशु बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान व सलोनी बीकॉम षष्ठम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । रंगोली प्रतियोगिता में चार-चार छात्राओं का ग्रुप बनाया गया था। जिसमें ग्रुप दो करिश्मा, प्रीति, रिया तथा रिषिकाने प्रथम स्थान पर रहे। ग्रुप सात उर्वशी तथा गरिमा द्वितीय स्थान पर रहे। ग्रुप तीन दिव्यांशु, प्रेरणा, शिवानी तथा अनीशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आशु भाषण की प्रतियोगिता में दिव्यांशु डबराल ने प्रथम स्थान, हिमांशु नौटियाल ने द्वितीय स्थान और सलोनी एवं शिखर गौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल में डॉ. विमल कुकरेती, डॉ. गीता रावत, डॉ. कविता अहलावत, डॉ. दीपाली रतूड़ी, डॉ, अंजू थपलियाल, डॉ दीप्ति मैठाणी, डॉ आकांक्षा, श्री भारत सिंह बिष्ट, श्री बलवंत सिंह नेगी जी रहे । वाणिज्य संकाय के परिषदीय कार्यक्रम में डॉ किशोर, सुमन नेगी अजय रावत रविंद्र गोसाई जितेंद्र, हिमांशु, शिखर, नेहा, सलोनी, अंजलि, स्वाति, शुभम, शिवम, प्रेरणा, प्रियांशु, शिवानी, रिया,रिषिका, करिश्मा, तुषार, निकिता, दिया, प्रियांशु, उर्वशी, अनीशा आदि मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

कोटद्वार तहसील में धरना देती आंगनबाड़ी से जुड़ी महिलाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः काम के अनुरूप मानदेय बढ़ाने सहित विभिन्नि समस्याओं को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि पूर्व में आश्वासन के बाद भी उनकी समस्याओं को लेकर लापरवाही दिखाई जा रही है। ऐसे में यदि जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन को तेज किया जाएगा।

सोमवार को संगठन की जिलाध्यक्ष बसंती रावत के नेतृत्व में प्रखंड दुगड्डा, जयहरीखाल, रिखणीखाल, द्वारीखाल व नैनीडांडा की आंगनबाडी कार्यकत्रियों ने तहसील में प्रदर्शन किया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने कहा कि वह पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। लेकिन, सरकार उनकी अनदेखी कर रही है। उन्हें नाममात्र का मानदेय दिया जा रहा है। जिससे परिवार को आर्थिक समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। लगातार शिकायत के बाद भी मानदेय में बढ़ोत्तरी नहीं की जा रही है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने सेवानिवृत्त होने पर दस लाख की सहायता राशि दिए जाने, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बायोमैट्रिक मशीन से अलग रखने की भी मांग उठाई। इस दौरान पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी व उक्रांद के संरक्षक डा.शक्तिशैल कपरवाण ने भी आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

इस मौके पर रिखणीखाल ब्लाक अध्यक्ष सुषमा, दुगड्डा ब्लाक अध्यक्ष संगीता भट्ट, जयहरीखाल ब्लाक अध्यक्ष गोदांबरी, द्वारीखाल ब्लाक अध्यक्ष गीता, सुषमा गुसांई, सुनीता देवी, अर्चना रावत, रोशनी सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रही।

चौबीस घंटे के लिए खोली जाएं लाइब्रेरी, दिया धरना

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि में लाइब्रेरी को प्रत्येक दिन चौबीस घंटे खोलने की मांग को लेकर छात्रसंघ उपाध्यक्ष शिवांक नौटियाल के नेतृत्व में छात्रों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि मांग के संबंध में कई बार विवि प्रशासन को ज्ञापन दिया गया लेकिन इस पर गौर नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा यदि मांग को गंभीरता से नहीं लिया गया तो वह उग्र आंदोलन करेंगे।

बिड़ला परिसर स्थित केंद्रीय पुस्तकालय परिसर में धरने पर बैठे छात्रसंघ उपाध्यक्ष शिवांक ने कहा कि उन्होंने छात्रसंघ चुनाव के दौरान छात्रों से लाइब्रेरी को चौबीस घंटे खुलवाने का वायदा किया था। इसके लिए विवि प्रशासन से कई बार मांग भी की गई। इसके बाद भी लाइब्रेरी की समय सारिणी में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोमवार से आंदोलन शुरू हो गया है उपेक्षा किए जाने पर आंदोलन उग्र किया जाएगा। मौके पर पहुंचे विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं व लाइब्रेरी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने छात्रों को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया लेकिन छात्र लिखित आश्वासन व ठोस निर्णय लिए जाने की मांग पर अड़े रहे। इस मौके पर आइसा के नगर अध्यक्ष अरुणेश, पूर्व छात्रा प्रतिनिधि प्रियंका खत्री, तनिष्क सती, युवराज,

अंबेडकर जयंती व बैसाखी पर दिखी सांस्कृतिक छटा

आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः एमकेवीएन ऐजुकेशनल ग्रुप के कण्वघाटी, देवी रोड़ व दुर्गापुरी स्थित विद्यालयों में बैसाखी व अम्बेडकर जयंती बड़े धूमधाम से मनायी गई। इस अवसर पर लोक संस्कृति और उत्साह की झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंध निदेशक प्रकाश चंद्र कोठारी एवं शिक्षा निदेशिका सिंधु कोठारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक प्रकाश चन्द्र कोठारी ने कहा कि बाबा साहब ने भारतीय संविधान का निर्माण कर देश को एक लोकतांत्रिक और समानता आधारित व्यवस्था दी। उन्होंने भारत के सामाजिक ढांचे को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और समानता, स्वतंत्रता और न्याय के सिद्धांतों को मजबूत किया। वहीं, देवीरोड़ स्थित एमकेवीएन स्कूल में भी विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपने सांस्कृतिक मूल्यों एवं प्रकृति से जुड़ने का प्रयास किया। जिसमें विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा उन्हें पारंपरिक जीवन शैली, कृषि उपकरणों एवं फसलों से परिचित कराया गया। रंग-बिरंगे परिधानों मे सजे बच्चों की प्रस्तुति ने पंजाब की समृद्ध संस्कृति को दर्शाने का प्रयास किया। विद्यालय के कार्यकारी निदेशक मयंक प्रकाश कोठारी ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बैसाखी के महत्व के बारे में बताया। इस मौके पर प्रशासनिक निदेशक विपिन जदली, प्रधानाचार्या सुनीता नैथानी, ज्योति कुलाश्री, उप प्रधानाचार्या रेखा नेगी, ममता नेगी, आकांक्षा अधिकारी, प्रियका रावत, आकृति, शान्ति देवी, अंजू रावत, ज्योति बिष्ट, नीता घिल्ड़ियाल, अशोक जखमोला, ममता नेगी, रंजना, सुनीता कांमोज, ममता नेगी, अंजली, स्वाती ध्यानी, सुषमा कुकरेती, बबली रावत, सोनिका भंडारी, अनील सैनी, राहुल कुमार, अरूण असवाल आदि मौजूद रहे।

रणजीत सिंह भंडारी को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ीः राज्य आंदोलनकारी एवं गढ़वाल विवि के छात्र संघ सचिव रहे स्व. रणजीत सिंह भंडारी (पुन्नी) की पुण्यतिथि पर श्रीकोट गंगानाली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर राज्य आंदोलनकारियों, व्यापारियों व अन्य लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनसे जुड़े संस्मरण को याद किया। इस मौके पर मनवर सिंह भंडारी, धीरेंद्र सिंह भंडारी, विवेक, सीमा भंडारी, व्यापार सभा अध्यक्ष श्रीकोट नरेश नौटियाल, सचिव प्रमोद राणा आदि मौजूद रहे।

सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः देवप्रयाग। बैसाखी पर्व पर होने वाले स्नान को देखते हुए थाना देवप्रयाग क्षेत्र अंतर्गत संगम स्थल में संभावित श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक, कोटद्वार मनोज कुमार ठाकुर ने संगम घाट, रामकुंड का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, बैरिकेडिंग एवं पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। साथ ही चारधाम यात्रा की तैयारियों को परखने के लिए उन्होंने श्रीनगर क्षेत्रांतर्गत चारधाम यात्रा रूट कीर्तिनगर पुल से सिरोबगड़ का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्मिकों को यात्रा मार्गों पर व्यवस्था सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के निर्देश दिए।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 4.6 रही तीव्रता

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रविवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप सुबह 04:32 बजे आया। राहत की बात यह है कि अभी तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद स्थानीय प्रशासन अलर्ट हो गया है। पुलिस और राहत टीमें हालात पर नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, लेकिन सतर्क जरूर रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सूचना दें। कुछ दिन पहले दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। डोडा में भूकंप के झटके महसूस करना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले 1 मार्च 2026 को भी यहां 4.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हालांकि उस समय भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन लोगों में दहशत फैल गई थी। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र स्थित हिंगोली जिले के कुछ हिस्सों में शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई। इसके साथ ही पड़ोसी जिलों नांदेड़ और परभणी के भी कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। हिंगोली के जिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने बताया कि पांगरा शिंदे गांव के कुछ हिस्सों में भूकंप का असर देखने को मिला है। यहां कुछ घरों और सामुदायिक केंद्रो की दीवारों में दरार देखने को मिली हैं। हालांकि किसी प्रकार की जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। वहीं, नादेड़ जिला अधिकारी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की एक रीडिंग का हवाला देते हुए कहा कि भूकंप शनिवार सुबह 8.45 बजे दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले की वसमत तहसील के शिरली गांव में भूमि से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था।

आरएसएस और भाजपा की विचारधारा संविधान को कमजोर करना चाहती है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन' मैराथन की शुरुआत की। इस मैराथन का आयोजन कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान और उनकी सोच के प्रति जागरूक करना है। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि आज हम बीआर अंबेडकर को याद कर रहे हैं। उनका संदेश ही संविधान का संदेश था और यही संविधान हमारे लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा से जुड़े कुछ लोग अंबेडकर की सोच और भारतीय संविधान को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य संविधान को कमजोर करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि देश के सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार मिले। यह विचारधारा समानता के खिलाफ है और संविधान की मूल भावना को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य संविधान को बचाना, उसे और मजबूत बनाना और देश के हर कोने तक उसकी सोच और सुरक्षा पहुंचाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के हर हिस्से में संविधान की भावना को फैलाना बेहद जरूरी है, ताकि लोगों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस मैराथन का आयोजन किया गया ताकि खासकर युवा पीढ़ी संविधान के महत्व को समझे और उसे मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाए।

28 साल तक चाय-पानी पिलाया, अब जनता की सेवा करेंगे

मेहसाणा , एजेंसी। गुजरात के निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उसके लिए कोई छोटा या बड़ा नहीं है। पार्टी के लिए समर्पित किसी भी आदमी को चुनाव लड़ने का मौका मिल सकता है। बीजेपी ने 28 साल से पार्टी ऑफिस में चपरासी के तौर पर काम कर रहे 50 साल के रमेश भील को अपना उम्मीदवार बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात के मेहसाणा नगर निगम चुनावों में एक ऐसा कदम उठाया गया है, जो चर्चा का विषय बन गया है। भारतीय जनता पार्टी ने रमेश भील नाम के आदमी को टिकट दिया है। वह एक समर्पित कर्मचारी हैं और पिछले लगभग तीन दशकों से मेहसाणा जिला बीजेपी कार्यालय में चपरासी के तौर पर सेवा दे रहे हैं। रमेश भील ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके साथ ही वे पार्टी के एक 'बैक-एंड' कार्यकर्ता से वार्ड नंबर 13 के लिए एक 'फ्रंटलाइन' राजनीतिक उम्मीदवार बन गए। 50 साल के रमेश भील ने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। वह पिछले 28 सालों से जिला मुख्यालय में लगातार सक्रिय रहे हैं। यहां उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में कार्यालय का प्रबंधन करना और वरिष्ठ नेताओं तथा पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं को चाय-पानी पिलाना शामिल था। भील को चुनाव मैदान में उतारने के फैसले को पार्टी नेतृत्व की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

चुनाव आयोग की एक और ऑफिसर से तकरार, SIR के समय पर भिड़ गए महाराष्ट्र के सीईओ

मुंबई, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अधिकारियों से टकराव की एक और खबर सामने आ रही है। हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी अनुराग यादव के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। ताजा जानकारी जो सामने आ रही है उसके मुताबिक, महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम ने पिछले साल नवंबर में ही आयोग को पत्र लिखकर आगाह किया था कि इस पूरी प्रक्रिया के लिए तय समय सीमा बहुत कम है। उन्होंने सुझाव दिया था कि जहां चुनाव सिर पर नहीं हैं, वहां इस काम को पर्याप्त समय लेकर पूरा किया जाना चाहिए। आपको बता दें कि हल ही में भारत निर्वाचन आयोग ने यूपी कैडर के 2000 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग यादव को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में चुनाव पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान हुई तीखी बहस के बाद यह कार्रवाई की गई थी। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने अनुराग यादव से उनके विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग स्टेशनों की संख्या पूछी थी। इसका जवाब उन्होंने देरी से दिया। इसके बाद दोनों के बीच बहस हुई। अनुराग यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त को जवाब देते हुए कहा कि वह भी 25 साल से सर्विस में हैं और उनसे इस तरह बात नहीं की जा सकती है। इसे

अनुशासनहीनता मानते हुए आयोग ने उन्हें पद से मुक्त कर दिया।

महाराष्ट्र ने क्यों जताई चिंता : इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र देश का दूसरा सबसे बड़ा मतदाता आधार वाला राज्य है, जहां 2024 के लोकसभा चुनावों में 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे। राज्य के सीईओ ने अपने पत्र में 2001-02 के पुनरीक्षण अभियान का हवाला दिया था। उस समय महाराष्ट्र में यह प्रक्रिया 13 महीनों तक चली थी। अधिकारी का तर्क है कि मतदाता सूची से नाम हटाना एकमात्र उद्देश्य नहीं है, बल्कि सूची को शुद्ध और त्रुटिहीन बनाना है। इसके लिए दावों और आपत्तियों की सुनवाई के लिए पर्याप्त समय अनिवार्य है। महाराष्ट्र ने यह भी मुद्दा उठाया था कि वर्तमान डेटा को पुराने रिकॉर्ड (SIR 2002) के साथ मैप करना एक समय लेने वाली प्रक्रिया है, जिसकी गणना चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों में ठीक से नहीं की गई थी।

पश्चिम बंगाल में संकट, 89 लाख नाम हटे : निर्वाचन आयोग की इस जल्दबाजी का सबसे बुरा असर पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है। राज्य में लगभग 89 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। इनमें से करीब 27.1 लाख मतदाता ऐसे हैं जिनके नाम न्यायिक अधिकारियों द्वारा हटाए गए हैं, लेकिन उनके पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का समय ही नहीं बचा। 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले इन लाखों लोगों के पास अब अपने मताधिकार खोने का खतरा मंडरा रहा है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल ने इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य चुनाव अधिकारी से मुलाकात की थी। सकपाल के अनुसार, 'हमने मांग की थी कि पुनरीक्षण प्रक्रिया को 2002 की तर्ज पर कम से कम 13 महीने का समय दिया जाए। अधिकारियों ने हमें आश्वस्त किया कि वे पहले ही केंद्रीय चुनाव आयोग को इस संबंध में पत्र लिखकर जल्दबाजी न करने का अनुरोध कर चुके हैं।

क्या है चुनाव आयोग का पक्ष : हालांकि निर्वाचन आयोग ने आधिकारिक तौर पर इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन आयोग के सूत्रों का कहना है कि महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में मौजूदा डेटा की मैपिंग का काम शुरू हो चुका है। चूंकि आगामी महीनों में जनगणना का काम भी शुरू होना है, जिसमें वही सरकारी कर्मचारी और शिक्षक शामिल होंगे जो चुनाव ड्यूटी करते हैं, इसलिए पुनरीक्षण प्रक्रिया में और देरी हो सकती है।

नागपुर पहुंचे रणवीर सिंह, मोहन भागवत से की मुलाकात

नागपुर, एजेंसी। हाल ही में आई धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह नागपुर पहुंचे। यहां उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से भी मुलाकात की। इसके अलावा, रणवीर सिंह ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक के.बी. हेडगेवार और उनके उत्तराधिकारी एम.एस. गोलवलकर के स्मारकों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों ने बताया कि 'धुरंधर' एक्टर रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर गए और आरएसएस के संस्थापक तथा दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर को श्रद्धांजलि दी, जिनके स्मारक इसी परिसर में स्थित हैं। इस दौरे के दौरान, RSS के प्रतिनिधियों ने रणवीर सिंह को इस हिंदुत्व संगठन के पहले दो प्रमुखों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर के इतिहास तथा महत्व के बारे में भी बताया। वहीं, 'द टेलीग्राफ' की एक रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर ने ऱस्र प्रमुख मोहन भागवत से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने रणवीर की फिल्म पर चर्चा की और संगठन की विभिन्न गतिविधियों तथा सेवा कार्यों के बारे में भी बातचीत की। रणवीर के चारों ओर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। एयरपोर्ट से निकलते समय सफेद कुर्ते में उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं।

गुरुग्राम को 'नायाब' सौगात: शहर में खुलेंगे 4 नए अस्पताल, मेडिकल कॉलेज में 33% सीटें रिजर्व

गुरुग्राम , एजेंसी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए हरियाणा सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गुरुग्राम में विभिन्न स्थानों पर 100 से 150 बेड की क्षमता वाले चार अतिरिक्त अस्पताल इसी तर्ज पर खोलने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। मुख्यमंत्री का यह निर्देश न केवल शहर के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री सैनी ने यह महत्वपूर्ण निर्देश गुरुग्राम में निर्माणाधीन शीतला माता देवी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक के दौरान दिए। यह परियोजना सहकारी संघवाद और स्थानीय निकायों के आपसी सहयोग का अनूठा उदाहरण है। इसका इंफ्रास्ट्रक्चर जीएमडीए का 50 फीसदी, नगर निगम गुरुग्राम का 45 फीसदी और श्री माता शीतला देवी श्राइन बोर्ड पांच फीसदी के वित्तीय सहयोग से तैयार हो रहा है।

आयुष्मान के लाभार्थियों को प्राथमिकता : बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल के आरक्षित बेड पर आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल

बिल्डिंग खड़ी करना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ऐसी सेवाएं देना है जो गुरुग्राम को वैश्विक स्वास्थ्य मानचित्र पर स्थापित करें। मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बैठक में प्रोजेक्ट की बारीकियों को साझा किया।

आरक्षण और किफायती शिक्षा पर जोर : मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्णय लेते हुए निर्देश दिए कि गुरुग्राम के सेक्टर-102ए खेड़की माजरा में बन रहे इस अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज की 150 एमबीबीएस सीटों और 850 बेडों में से 33-33 प्रतिशत हिस्सा हरियाणा के विद्यार्थियों और स्थानीय निवासियों के लिए आरक्षित किया जाए। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि आरक्षित सीटों पर फीस अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों के समान ही रखी जाएगी, जिससे राज्य के मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से सामान्य परिवारों के छात्रों को चिकित्सा शिक्षा के लिए भारी-भरकम फीस नहीं भरनी होगी।

दूरदराज के इलाकों में ड्रोन से पहुंचाई जाएगी दवा, इस राज्य सरकार ने शुरू की खास पहल

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने दूरदराज के आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अनोखी पहल शुरू की है। अल्लूरी सीतारामा राजू जिले के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में ड्रोन के जरिए दवाइयों और चिकित्सा सामग्री की डिलीवरी का कार्यक्रम शुरू किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने जिला प्रशासन, रीयल टाइम गवर्नेंस सिस्टम और अमेरिका स्थित यूपीएस फाउंडेशन की ओर से समर्थित टेक्नोलॉजी पार्टनर रेडविंग के साथ मिलकर यह प्रोजेक्ट लागू किया है।

इस पहल का मकसद अंतिम छोर तक डायग्नोस्टिक सैंपल, जरूरी दवाइयां और अन्य चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाना है। पादेरू मेडिकल कॉलेज और गवर्नमेंट जनरल अस्पताल (त्तत्र॥) को छोटे स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़कर ड्रोन के माध्यम से सैंपल भेजे और दवाइयां लाई जा रही हैं। इससे पहाड़ी और जंगली इलाकों में सड़क मार्ग से होने वाली देरी समाप्त हो गई है।

बड़े इलाके को किया जा रहा कवर : अब तक इस ड्रोन डिलीवरी पहल ने 1,000 उड़ानें पूरी कर ली हैं। इन उड़ानों में कुल 40,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की गई और 25,000 से ज्यादा चिकित्सा उत्पादों को हवाई मार्ग से पहुंचाया गया। प्रत्येक ड्रोन लगभग दो किलोग्राम पेलोड ले जाने में सक्षम है और कोल्ड चेन सुविधा से लैस है, जिससे दवाइयों और ब्लड यूनिट की गुणवत्ता बरकरार रहती है।

यह इनोवेटिव कदम आदिवासी समुदायों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। सड़कों की कमी और दुर्गम भूगोल वाले क्षेत्रों में ड्रोन स्वास्थ्य सेवाओं को तेज, सुरक्षित और प्रभावी बनाते हैं। सरकार का लक्ष्य है कि भविष्य में इस मॉडल को अन्य जिलों में भी विस्तार दिया जाए, ताकि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं और मजबूत हों। इस पहल से मरीजों को समय पर इलाज मिलना आसान हो जाएगा।

खाप पंचायतों के तुगलकी फरमानों पर राजस्थान हाई कोर्ट की रोक

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट ने खाप पंचायतों के मनमाने फरमानों को असंवैधानिक और कानून के राज के लिए बड़ा खतरा बताते हुए इन पर रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सामाजिक बहिष्कार, 'हुक्का-पानी बंद' करना और भारी जुर्माना लगाना मौलिक अधिकारों तथा मानवीय गरिमा का उल्लंघन है। अदालत ने इन जातिगत मंचों को एक अवैध समानांतर न्यायिक प्रणाली माना है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए अदालत ने राज्य सरकार को एक प्रभावी नीति और एसओपी बनाने का निर्देश दिया है। साथ ही हर जिले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश दिए गए हैं ताकि जिला कलेक्टर और पुलिस प्रशासन ऐसी शिकायतों का समय पर निवारण कर सकें।

सामाजिक बहिष्कार असंवैधानिक : राजस्थान हाईकोर्ट की जस्टिस फरजंद अली की बेंच ने अवैध जाति और खाप पंचायतों को कड़ी फटकार लगाते

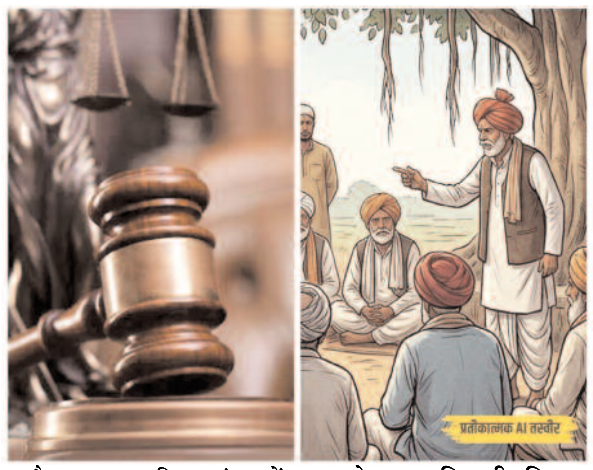

हुए फैसला सुनाया कि इन पंचायतों द्वारा सामाजिक बहिष्कार और आर्थिक जुर्माना लगाना पूरी तरह असंवैधानिक है। ऐसे फरमान कानून के शासन को कमजोर करते हैं और यह एक गंभीर सामाजिक समस्या है। अदालत ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिया कि वह सामाजिक बहिष्कार की शिकायतों को रोकने के लिए एक स्पष्ट नीति और एसओपी तैयार करे।

नोडल अधिकारी नियुक्त करने के आदेश : इसके अलावा अदालत ने आदेश दिया कि प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए जो जिला कलेक्टर और पुलिस प्रमुख की देखरेख में शिकायतों को सुलझाए। अदालत उन 11 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें सिरोही, बाड़मेर, नागौर, बालोतरा, जालोर और जोधपुर जैसे जिलों में जबरदस्ती और सामाजिक बहिष्कार की घटनाओं के बारे में बताया गया था। याचिकाकर्ताओं ने गुहार लगाई थी कि शिकायतें करने के बाद भी अधिकारी ऐसी संस्थाओं के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में विफल रहते हैं।

हुक्का-पानी बंद करने से अलग-थलग पड़ जाते हैं परिवार : अदालत ने कहा कि बार-बार सामने आ रहे ऐसे मामलों को देखते हुए ये जातिगत मंच एक समानांतर न्यायिक प्रणाली की तरह काम करते हैं। खाप पंचायतें बिना किसी कानूनी अधिकार के आदेश जारी करती हैं। किसी व्यक्ति का हुक्का-पानी बंद करने जैसे फरमान लोगों और परिवारों को समाज से अलग-थलग कर देते हैं। ऐसी प्रथाएं इंसान की गरिमा को चोट पहुंचाती हैं। ये प्रथाएं समानता, आजादी और जीवन के अधिकार जैसे संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती हैं। यह फैसला अदालत द्वारा नियुक्त एक समिति की रिपोर्ट पर आधारित है।

अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल हाईकोर्ट से झटका

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें हर्ष महाजन के राज्यसभा निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका में प्रस्तावित गवाहों के नाम हटाने की मांग की गई थी। जस्टिस वीरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यह आदेश वर्ष 2024 की चुनाव याचिका के संदर्भ में पारित किया, जिसमें सिंघवी ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के लिए महाजन के निर्वाचन को चुनौती दी थी। सिंघवी ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 87(1) के तहत एक आवेदन दायर कर प्रतिवादी द्वारा सूचीबद्ध गवाहों के नाम काटने का अनुरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि कई गवाहों, विशेष रूप से क्रम संख्या 2 से 14 तक के नामों को शामिल करना अनावश्यक

और अस्पष्ट है, जिसका एकमात्र उद्देश्य कार्यवाही में विलंब करना है।

सिंघवी का क्या था तर्क : याचिकाकर्ता का तर्क था कि प्रतिवादी ने 18 गवाहों के नाम प्रस्तावित किए हैं, जिनमें से कई उनके अनुसार कोर्ट द्वारा निर्धारित मुद्दों के लिए अप्रासंगिक थे। यह भी बताया गया कि गवाहों की सूची निर्धारित समय सीमा के बाद दाखिल की गई थी और उनका ट्रायल याचिकाकर्ता के हितों को प्रभावित करेगा तथा चुनावी विवाद के निपटारे में देरी करेगा।

याचिका गलत धारणा पर आधारित : हर्ष महाजन : हालांकि, प्रतिवादी हर्ष महाजन की तरफ से इस दलील का विरोध करते हुए कहा गया कि यह आवेदन गलत धारणा पर आधारित है और इसका उद्देश्य उन्हें निष्पक्ष न्याय के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रस्तुत करने से रोकना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया की वैधता, विशेष रूप से मतों की गिनती के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया और मत बराबर होने की स्थिति से निपटने के तरीके को सिद्ध करने के लिए ये गवाह आवश्यक हैं।

साक्ष्य प्रस्तुत करने का वैधानिक अधिकार : हाईकोर्ट : कोर्ट ने रिकॉर्ड और दलीलों की जांच के बाद पाया कि मुख्य मुद्दों, विशेष रूप से सहमति, प्रक्रिया और याचिका की स्वीकार्यता से संबंधित प्रमाण प्रस्तुत करने का भार प्रतिवादी पर है। हाईकोर्ट ने माना कि प्रतिवादी के पास अपने बचाव के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने का वैधानिक अधिकार है और पर्याप्त आधार के बिना ऐसे अधिकार में कटौती नहीं की जा सकती। जस्टिस वीरेंद्र सिंह ने उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में विफल रहे कि प्रस्तावित गवाह किस प्रकार निरर्थक या परेशान करने वाले थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि साक्ष्यों के बिना केवल विलंब करने की रणनीति का आरोप लगाना, गवाहों के नाम हटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। बेंच ने आगे कहा कि गवाहों के ट्रायल का उद्देश्य प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत सूची में स्पष्ट रूप से बताया गया है और अधिकांश गवाह निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े हैं।

देश में पहली बार फ्लोटिंग जंक्शन, 'तैरती' नजर आएगी ट्रेन!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पहली बार रेलवे प्रोजेक्ट के लिए फ्लोटिंग जंक्शन तैयार किया जा रहा है। उत्तराखंड की महत्वाकांक्षी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना अब इंजीनियरिंग के नए मानक गढ़ रही है। दुर्गम हिमालयी पहाड़ियों के नीचे बन रही यह रेल लाइन सिर्फ कनेक्टिविटी ही नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल के कारण वैश्विक स्तर पर भी चर्चा में है। इस खास तकनीक के तहत आपको ट्रेन हिमालयी पहाड़ियों पर 'फ्लोटिंग' यानी 'तैरती' दिखेंगी। परियोजना के तहत ब्यासी-देवप्रयाग सेक्शन में देश का पहला 'फ्लोटिंग रेल टनल जंक्शन' बनाया जा रहा है। यह जंक्शन इसलिए खास है क्योंकि इसे पारंपरिक ठोस चट्टानों पर नहीं, बल्कि बेहद कमजोर और चूरे जैसी मिट्टी वाले क्षेत्र में तैयार किया जा रहा है।

क्यों खास है यह फ्लोटिंग टनल जंक्शन : परियोजना के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) और सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ ओमप्रकाश मालगुड़ी के मुताबिक, आमतौर पर रेलवे टनल के अंदर जंक्शन मजबूत चट्टानों पर बनाए जाते हैं। लेकिन इस रूट पर मेन सेंट्रल थ्रस्ट (स्न्न्न्ना) का ऐसा जोन मिला है, जहां जमीन बेहद कमजोर है। ऐसे में यहां 'डबल-आर्क सिस्मिक आइसोलेशन' तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो भारत में पहली बार लागू हो रही है। इस तकनीक की मदद से टनल जंक्शन 'फ्लोट' यानी लचीले ढांचे की तरह व्यवहार करेगा, जिससे भूकंपीय जोखिम कम होगा। इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत इसकी भूकंप-रोधी डिजाइन है। टनल को इस तरह बनाया जा रहा है कि वह शॉक एब्जॉर्बर की तरह काम करे। भूकंप आने पर सुरंग हल्की सी खिसककर फिर अपनी जगह पर लौट आएगी। इससे संरचना को गंभीर नुकसान होने की संभावना बेहद कम हो जाएगी सुरक्षा के लिहाज से सुरंग में रॉक मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जा रहा है। टनल की दीवार में अगर 1 मिलीमीटर का भी बदलाव होता है तो तुरंत ऋषिकेश स्थित कंट्रोल रूम में अलार्म बज जाएगा। इससे किसी भी खतरे को समय रहते पहचानकर कार्रवाई की जा सकेगी। तेज रफ्तार ट्रेनों में टनल के अंदर हवा का दबाव अचानक बढ़ जाता है, जिससे यात्रियों को असहजता हो सकती है। इस समस्या से निपटने के लिए एयर कुशन तकनीक लगाई जा रही है। यह तकनीक स्विट्जरलैंड की मशहूर गोथर्ड बेस टनल से प्रेरित है। इससे ट्रेन के गुजरने पर बनने वाले वायु दबाव को नियंत्रित किया जाएगा।

यूपी की कई वीआईपी सीटों का गुणा-गणित बदला, शहरी वोटर ज्यादा कटे

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 2.04 करोड़ कटने के बाद राजनीतिक दलों में खासी बेचैनी बताई जा रही है। जानकारों से कहना है कि एसआईआर में सर्वाधिक वोट शहरी क्षेत्रों के कटे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़े हैं। शहरी वोट हमेशा से भाजपा के रहे हैं। वोट कटने के बाद कई वीआईपी सीटों का भी गुणा-गणित बदल गया है। लखनऊ कैंट का ही उदाहरण लें तो यहां सर्वाधिक 124962 वोट कटे हैं। इसीलिए विधानसभा चुनाव के समय टिकट बंटवारे से लेकर जातीय समीकरण के लिए राजनीतिक दलों को नए सिरे से समीकरण बैठाना पड़ सकता है। वे अभी से इसकी रणनीति बनाने में जुट भी गए हैं।

बड़े शहरों में खूब कटे वोट : एसआईआर के आंकड़े बता रहे हैं कि मुस्लिमों समुदाय के अधिकतर लोग अपना वोट बचाने में सफल रहे हैं। मतदाता सूची के आंकड़ों को देखें तो लखनऊ कैंट 34.18, इलाहाबाद उत्तरी 34.01, लखनऊ पश्चिम 31.01, लखनऊ पश्चिम 31, आगरा कैंट 30.47, लखनऊ मध्य 30.36, मेरठ कैंट 27.29, कानपुर कैंट 26.59, बरेली 25.68 फीसदी वोट कटे हैं। नोएडा जैसी सीट पर 23.85 प्रतिशत वोट कटे हैं। ये सभी भाजपा की प्रभाव वाली सीटें हैं। इनमें से अधिकतर सीटें वीआईपी हैं।

भाजपा आशांवित : शहरी क्षेत्रों में मतदाता घटने से पार्टी थोड़ी चिंतित तो है मगर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन तक वोटरों की बढ़ी हुई संख्या को लेकर पार्टी आशान्वित है। इसमें सरकार और संगठन दोनों ने अंतिम समय पर पूरी ताकत झोंकी। पार्टी के एक प्रदेश स्तरीय नेता का कहना है कि यह मानना पूरी तरह गलत है कि सिर्फ हिंदुओं के वोट ज्यादा कटे हैं। उनका तर्क है कि यदि ऐसा होता तो सपा और कांग्रेस एसआईआर को कोस न रहे होते।

सपा ने चार लोगों की टीम बनाई : बसपा कटे हुए वोटों को लेकर बूथ, जिला

व मंडल स्तर पर समीक्षा करेगी। पार्टी सभी जगह जहां वंचित व सर्वसमाज के वोट अवैध ढंग से काटे गए हैं, वहां अभियान चलाकर वैध मतदाताओं के नाम जुड़वाएगी। एसआईआर शुरू होने के साथ समाजवादी पार्टी ने चार लोगो की एक टीम बनाई। उसने बिहार एसआईआर का अध्ययन कर एक-एक खामियों पर ध्यान दिया। वोटर बनने और बने रहने के लिए सभी जरूरी मदद बूथवार की गई. जिससे वोट बचाने के साथ ही बनवाने में वह सफल रहे। सपा की यह टीम अब अंतिम मतदाता सूची का अध्ययन कर रही है। इसकी खामियों को देखा जा रहा है। इसके आधार पर गलत वोट कटने को ठीक कराने और छूटे लोगों का नाम शामिल कराने का होगा।

यूपी की नई मतदाता सूची में 6.40 करोड़ युवा मतदाता : यूपी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की अंतिम मतदाता सूची में सर्वाधिक 30 से 39 आयुवर्ग के 3.60 करोड़ लोग हैं। दूसरे नंबर पर 20 से 29 आयु के 2.62 करोड़ मतदाता हैं। वोटर लिस्ट में सर्वाधिक युवा मतदाता हैं। अब अगर मतदाता सूची में 18 वर्ष से लेकर 39 वर्ष की उम्र वाले लोग जो युवा श्रेणी में आते हैं उनकी संख्या देखी जाए तो वह कुल 6.40 करोड़ है। यानी युवाओं की संख्या मतदाता सूची में 47.7 प्रतिशत है। फिलहाल मतदाता सूची के हिसाब से युवा मतदाता फिर एक बार निर्णायिक साबित होंगे। इनकी संख्या सूची में सर्वाधिक है। अधेड़ आयु के लोग जिसमें 40 वर्ष से लेकर 59 वर्ष की उम्र के 4.92 करोड़ मतदाता हैं। यह कुल वोटरों का 36.7 प्रतिशत है।

साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना–बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी–भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी–नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्केस वर्क की जार्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम्, बनारसी, जामावार और पैठनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्केस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध हैं।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंज्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टन ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दें, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा–सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।

प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग–धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
- फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय–समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2–3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी,ब्रेड,चावल,साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध,पनीर,अंडे,छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ–साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनैंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहतीं, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल–सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ीं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुईं, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े–लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े–लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

सोच का रहता है असर

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग–अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह कहती हैं। 'मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे पति को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।' वैसे, बैंक प्रोफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, 'जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।' इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रोफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, 'हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।' गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। बकौल गौरव, 'मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा।' उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं।

....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मानों आरोप–प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबने इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नहीं बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहू पढ़ी–लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5–10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा–सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा–सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

अगर आप भी अभी नया–नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए–नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक–दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक–दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार–बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी–बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल–जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिढ़ भी सकती है।

केकेआर के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम ने संजू सैमसन के शतक से पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। अब उसका लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना होगा। सीएसके की ओर से पिछले मैच में जेमी ओवरटन ने भी चार विकेट लेकर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। जिसे वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्होंने अपनी उछाल भरी गेंदों से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को हैरान कर दिया था। वहीं स्पिनर अकील हुसैन ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

बल्लेबाजी में सीएसके के पास सैमसन के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी हैं।युवा डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने का भी लाभ मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर केकेआर इस सत्र में अब तक एक भी मैच नहीं जीती है और ऐसे में उसपर इस मैच में किसी प्रकार से जीत हासिल करने का दबाव रहेगा। पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ वह जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में अजिंक्य रहाणे इस मैच में किस रणनीति से उतरते हैं ये देखना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही इस सत्र में अच्छी नहीं रही है।

कैमरन ग्रीन के गेंदबाजी शुरु करने से हालांकि उसकी उम्मीदें जगी हैं। रिंकू सिंह भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और उनका इरादा अब अपने को साबित करना रहेगा। रहाणे ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है पर उन्हें अंत तक टिके रहना होगा। युवा अंगकृष रघुवंशी और रोवमैन पॉवेल भी फार्म में आ गये हैं जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत हैं। . केकेआर को अगर सीएसके को उसके घरेलू मैदान पर हराना है तो उसके गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। आंकड़ों पर नजर डातें तो अबतक दोनो के बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें सीएसके ने 20 मैच जीते हैं, जबकि केकेआर ने 11 मैचों में जीत हासिल की है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है।

पिच की बात करें तो शुरुआत में बल्लेबाजों को लाभ होता है पर मैच आगे बढ़ने

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स– संजू सैमसन (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, अकील हुसैन, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, गुरजनप्रीत सिंह

इम्पैक्ट प्लेयरः कार्तिक शर्मा/मैथ्यू शॉर्ट

कोलकाता नाइट राइडर्स– फिन एलन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, ब्लेसिंग मुजरबानी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयरः नवदीप सैनी

रॉयल्स के मैनेजर रोमी पर कार्रवाई कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के टीम मैनेजर रोमी भिंडर की मुश्किलें बढ़ सकती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करना उन्हें भारी पड़ सकता है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उनपर कार्रवाई कर सकता है। गुवाहाटी में हुए इस मैच में रोमी टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पास बैठकर मोबाइल चला रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि टीम मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है।

इस अधिकारी ने कहा, जी हां रोमी ने वास्तव में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के लिए बने प्रोटोकॉल को तोड़ा है क्योंकि मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन के उपयोग पर रोक है। आईपीएल के अनुसार, टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है पर डगआउट में नहीं। रोमी फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना ??है कि उन्हें भ्रष्टाचार रोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अब देखना होगा कि उनपर क्या कार्रवाई होती है।

इस अधिकारी ने कहा, यह अनजाने में भी हो सकता है पर इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। आईपीएल की संचालन परिषद इस आधार पर फैसला ले सकती है। रोमी को और भी गहन जांच का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सूर्यवंशी ने मैच के बाद उन्हें अपना स्थानीय संरक्षक बताया था।

आईपीएल अंकतालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची आरसीबी, रॉयल्स शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में जीत के साथ ही आईपीएल 2026 की अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। इस मैच के साथ ही इस सत्र में आरसीबी ने लगातार अपना तीसरा मैच जीता। अंकतालिका में अभी पहले स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है। रॉयल्स ने अब तक अपने सभी चारों मैच जीतकर 8 अंक हासिल किए हैं। वहीं, पंजाब किंग्स ने 4 में से 3 मैच जीत कर 7 अंक के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया है जबकि आरसीबी 4 में तीन मैच जीतकर 6 अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जांयट्स 4-4 अंक लेकर आगे के स्थानों पर हैं। सनराइज हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपरकिंग्स ने अभी तक 4-4 मैच में से केवल 1-1 मैच ही जीता है। इन तीनों टीमों के अंक 2 हैं। अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है (केकेआर) है। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है।

अंक तालिका में चौथे पायदान पर दिल्ली कैपिटल्स है। उसने चार मैचों में से दो मैच जीत चुकी है और उसके खाते में 4 अंक हैं। सूची में पांचवें पायदान पर गुजरात टाइटन्स है, जो चार में से दो मैच जीती और दो मैच हारी है। छठे पायदान पर बरकरार लखनऊ सुपर जायंट्स ने चार में से दो मैच जीते हैं। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर कायम टीमों ने कम से कम दो मैच जीते हैं और इतने ही मैच ये हारी हैं।सातवें से 10वें नंबर तक की टीमों ने एक से ज्यादा मुकाबला नहीं जीता है। सातवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद है। वह चार में से तीन मैच हारी है और एक मैच जीती है। आठवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)की हालत भी यही है। वह भी तीन मैच हारने के बाद चौथा मैच जीती है। सीएसके नौवें नंबर पर है। सबसे अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है जो एक भी मैच नहीं जीती है। तीन मैच हारे हैं और एक मैच बेनतीजा रहा है। इस तरह केकेआर को केवल एक ही अंक मिला है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिये : पोलार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम शुरुआत से ही विवादों में रहा है। साल 2023 से लागू होने के बाद से ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे ऑलराउंडरों को ही नुकसान हो रहा है। ऐसे में इस नियम को हटा दिया जाना चाहिये। वहीं अब मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने भी कहा है कि इम्पैक्ट प्लेयर का विकल्प ऑलराउंडरों की भूमिका को सीमित कर रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पोलार्ड लंबे समय से आईपीएल का हिस्सा हैं। वह 2010 से अलग-अलग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं और टीम में ऑलराउडर के तौर पर भी शामिल रहे हैं।

पोलार्ड ने कहा, मैं इस नियम को पसंद नहीं करता हूं पर इसे हटाना मेरे हाथ में नहीं है। इससे केवल ये हो रहा है कि इसने टी20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बन रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी इसके पड़ने वाले असर पर अभी तक मैंने धयान नहीं दिया है। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होने से केवल तब ही लाभ हो रहा है जब कोई टीम लीग गेम में कुछ विकेट गंवा देती है तो भी उसके पास अधिक रन बनाने का अवसर रहता है। उन्होंने जो लोग इस प्रकार के नियम बना रहे हैं उन्हें यह देखना चाहिये कि क्या यह वास्तव में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविज़न के लिए अच्छा है, या सिर्फ़ लोगों के लिए फ़ायदेमंद है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ, कुछ ऐसे कौशल सेट होत हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रयोग नहीं हो रहा है। ऐसें में मेरा मानना है कि उनको इसकी समीक्षा करनी चाहिये। अगर ऐसा नहीं होता हो ये इसी प्रकार जारी रहेगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर इस नियम की आलोचना की है। अक्षर पटेल ने सीजन शुरू होने से पहले कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑल-राउंडर हूं। पहले, आप बैटिंग और बॉलिंग के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे। इस नियम की वजह से, टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को रखती है, यह सोचकर कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है?शुभमन गिल भी इसके विरोध में हैं। उनका कना है कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर नहीं होना चाहिए। आम तौर पर क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का गेम है। एक अतिरिक्त बल्लेबाज जोड़ने से, मुझे लगता है कि गेम

से कौशल समाप्त हो जाता है। उस एक खिलाड़ी से गेम को और भी वन-डाइमेंशनल बना रहा है। गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने हाल ही में कहा, ÷मुश्किल विकेट पर 180 या 160 रन का पीछा करना मेरे लिए सपाट ट्रैक पर 220 रन का पीछा करने से ज़्यादा रोमांचक है।÷ इम्पैक्ट प्लेयर नियम 2023 से लागू है।

रोहित मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

मुम्बई ।मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी 19 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है।इसी के साथ ही वह आईपीएल में 6000 रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के पहले बल्लेबाज बने हैं।रोहित ने जैसे ही आरसीबी के खिलाफ अपने 6 रन पूरे किये।उसी के साथ ही उनके 6000 रन परे हो गये।रोहित ने जैकब डफी की गेंद पर छक्का लगाकर ये आंकड़ा हासिल किया।रोहित साल 2011 मुंबई इंडियंस से जुड़े थे।उसके बाद से ही वह इस टीम से खेलते हुए नजर आ रहे हैं।वहीं सूर्यकुमार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं।सूर्यकुमार ने 116 मैचों में 3776 रन बनाए हैं।उनके बाद कीरोन पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस की ओर से 189 आईपीएल मैचों में 3412 रन बनाए हैं।वहीं आईपीएल में एक ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित से आगे विराट कोहली हैं।कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम के लिए 271 आईपीएल मैचों में कुल 8840 रन बनाए हैं।

फॉर्मूला वन की 2027 में भारत में वापसी होगी, खेल मंत्री ने कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि 2027 में भारत में फॉर्मूला वन रेस की वापसी होगी।मांडविया ने यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में इस रेस के आयोजन के लिए कम से कम तीन कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है।उन्होंने कहा, 'भारत में 2027 में फॉर्मूला वन रेस होगी।पहली रेस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगी।' भारत इससे पहले फॉर्मूला वन रेस इंडियन ग्रां प्री आयोजित कर चुका है, लेकिन कर और नौकरशाही संबंधी समस्याओं के कारण 2013 में तीसरे संस्करण के बाद इसे फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटा दिया गया था।

महिला टी20 विश्व कप के लिए रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा, पिछली बार की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने सोमवार को आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए 82 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की।इस विश्व कप का आयोजन दो महीने बाद इंग्लैंड एवं वेल्स में होगा।कुल पुरस्कार राशि में पिछले सत्र की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।टूर्नामेंट के पिछले सत्र में 10 टीमों ने भाग लिया था, लेकिन 12 जून से 05 जुलाई तक सात स्थानों पर खेले जाने वाले आगामी विश्व कप में 12 टीमें भाग लेंगी।इसका फाइनल लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा।संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित पिछले सत्र की कुल पुरस्कार राशि 7,958,077 डॉलर (लगभग 74 करोड़ रुपए) थी, जो अब बढ़कर 8,764,615 डॉलर (लगभग 82 करोड़ रुपये) हो गई है।

विजेता टीम को 23,40,000 डॉलर (लगभग 21.8 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि उपविजेता को 11,70,000 डॉलर (लगभग 10 करोड़ रुपये) प्राप्त होंगे। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 6,75,000 डॉलर (लगभग 6.29 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि प्रत्येक ग्रुप मैच जीतने पर टीमों को 31,154 डॉलर (लगभग 29 लाख रुपये) मिलेंगे। आईसीसी ने यहां विज्ञप्ति में कहा, 'सभी 12 प्रतिभागी टीमों को कम से कम 2,47,500 डॉलर (लगभग 2.06 करोड़ रुपए) का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा।' टूर्नामेंट की शुरुआत 12 जून को बर्मिंघम के एडजबेस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मैच से होगी।इस विश्व कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, आयरलैंड, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज हैं।33 मैचों का यह टूर्नामेंट 24 दिनों तक चलेगा।इस बीच, टी20 विश्व कप ट्रॉफी मेजबान शहरों का दौरा करेगी और लंदन में इसका समापन होगा।स्कॉटलैंड में सात से 10 मई तक इसका पहला पड़ाव होगा।ICC के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, 'महिला क्रिकेट का विकास लगातार तेज हो रहा है।ICC महिला टी20 विश्व कप का 12 टीमों तक विस्तार और रिकॉर्ड पुरस्कार राशि, एक मजबूत और अधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक खेल के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

आईपीएल2026 : प्रसिद्ध कृष्णा का लखनऊ के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन से पर्पल कैप पर कब्जा

लखनऊ (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजी प्रसिद्ध कृष्णा ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटक कर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया है।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में रविवार को खेले गए इस मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा चार विकेट लेकर गेंदबाजों की सूची में चार मैचों में कुल 10 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए है। इस दौरान प्रसिद्ध ने 28/4 के आंकड़े के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है जबकि उकना इकोनॉमी रेट 9.50 रहा है।

इस सूची में दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स (RR) के रवि बिश्नोई (9 विकेट) तथा चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज (8 विकेट) तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और रॉयल चैलेंजसै बेंगलुरु के जैकब डफी हैं, जिनके नाम 6-6 विकेट हैं।

LSG vs RCB

मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी। रूस्त्र को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए और रूस्त्र 164 रन ही बना पाई।

नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहे : मैनेजर कुका

रियो डी जेनेरो ।स्टार फुटबॉलर नेमार आगामी विश्वकप को देखते हुए ब्राजील की टीम में जगह पाने के प्रयासों में लगे हुए हैं।इसी कड़ी में नेमार सैंटोस और एटलेटिको मिनेरो के बीच हुए मैच के दौरान पूरे समय मैदान में बने रहे।इस मैच से वापसी करते हुए नेमार को पूरे समय खेलते देकर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे।वहीं टीम के मैनेजर कुका ने भी नेमार के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इसी प्रकार खेलते रहे तो जून में होने वाले विश्वकप में ब्राजील की टीम में उनकी जगह पक्की हो सकती है। कुका ने कहा, नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहा है, उसे टीम में वापसी के लिए मेहनत करते रहना होगा। उसका खेल लगातर निखर रहा है। ।, कुका ने कहा कि वह मंगलवार को रेकोलेटा के साथ सैंटोस के खिलाफ होने वाले घरेलू कोपा अमेरिका मैच में भी खे सकता है।उन्होंने कहा, उसके लिए पूरे 90 मिनट खेलना जोखिम भरा है। हमें उसे खेल का आनंद लेते हुए लय हासिल करते देखना अच्छा लग रहा है।नेमार, जो 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी पर अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट टूटने के बाद से ही वह ब्राजील से नहीं खेल पाये हैं।इसके बाद से ही वह लगातार फिटसेस से जुड़ी परेशानियां झेल रहे हैं।पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब में लौटने के बाद से वह सैंटोस के लिए 35 मेच से लगातार उतर रहे हैं।ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के विश्व कप के लिए टीम की घोषणा से पहले उनके पास सैंटोस के लिए अपनी फिटनेस साबित करने के लिए 10 और गेम हैं। ब्राजील की टीम विश्वप में अपना अभियान 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी।

तेज गेंदबाज अशोक ने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया

चंडीगढ़ ।आईपीएल के इस सत्र में गुजरात टाइटंस टीम से खेल रहे युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने अपनी गेंदबाज से सभी को प्रभावित किया है।अशोक ने इस सत्र की शुरुआत पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से की थी।अशोक ने अपने पहले ही मैच में 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है।शोक ने इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।उसी के कारण उन्हें आईपीएल के लिए गुजरात ने शामिल किया है।इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। वह कए साधारण परिवार से आये हैं।उन्होंने नेट गेंदबाज के तौर पर राजस्थान रॉयल्स के लिए काम किया है।इसके बाद उन्हें आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिल सका।इसके बाद गुजरात टाइटंस ने उन्हें 90 लाख रुपए में शामिल किया।अशोक ने फर्स्ट क्लास करियर में 4 मैच खेले हैं, जिसमें 29.71 की औसत के साथ 14 विकेट हासिल किए।वहीं, 7 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 13 विकेट हैं।अशोक ने अपने टी20 करियर में 10 मैच खेले हैं, जिसमें 15.63 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं।

2027 एकदिवसीय विश्वकप में मिलर सहित कई अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे

जोहांसबर्ग ।दक्षिण अफ्रीका की टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप में डेविड मिलर, रासी वैन डेर डुसेन सहित कई स्टार खिलाड़ियों के बिना ही खेलती दिखेगी।इसका कारण है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने साल 2026-27 सत्र के लिए मिलर सहित कई खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया है।वहीं युवा खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया गया है।मिलर को केन्द्रीय अनुबंध के अलावा हाइब्रिड करार भी नहीं दिया गया है।इससे उनके अंतराराष्ट्रीय करियर पर सवाल उठने लगे हैं।मिलर ने कुछ समय पहले कहा था कि वह 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं पर अब उनकी ये इच्छा अधूरी ही रह जाएगी।मिलर के अलावा रासी वैन डेर डुसेन को इाइब्रिड करार नहीं मिला।वहीं बल्लेबाज रीजा हैननिक और तेज गेंदबाज नांद्रे बरगर भी करार में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं। इस बार दक्षिय अफ्रीका बोर्ड ने नये खिलाड़ियों को अधिक अवसर दिया है। इस बार सीएसके ने युवा खिलाड़ियों डेवाल्ड ब्रैविस, कोर्बिन बास , आंटेरिन बार्टमैच जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए अनुबंध यसूची में शामिल किया है। इसके अलावा ऑफ स्पिनर सिमोन हार्मर को भी पहली बार करार मिला है।इस बार उन घरेलू खिलाड़ियों को भी अवसर दिया गया है।जो भविष्य में इंटरनेशनल क्रिकेट खेल सकते हैं।चयन संयोजक पैट्रिक मोरोनी ने कहा, आगे का सत्र काफी व्यस्त और अहम होने वाला है, इसलिए टीम में अनुभवी के साथ ही नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।उन्होंने आगे कहा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप को ध्यान में रखते हुए हमने ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जिनमें बड़े टूर्नामेंट जीतने की क्षमता और सही मानसिकता है।उसकी अनुबंध सूची में टेम्बा बावुमा, एडेन मार्करम, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और काइल वेर्रेयन जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

विराट और रोहित चोटिल हुए, अगले मैच में खेलने को लेकर उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में टखने में चोट लग गयी है। जिससे कारण उनके आईपीएल के अगले मैच में खेलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इससे आरसीबी को झटका लगा है। वहीं मुम्बई के भी पूर्व कप्तान मुम्बई रोहित शर्मा इसी मैच में चोटिल हो गये। इससे मुम्बई की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विराट की फिटनेस को लेकर आशंकाएं इसलिए भी बढ़ गयी हैं क्योंकि वह मुम्बई की बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि इस मैच में आरसीबी की टीम जीत गयी। मैच के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा कि कोहली के शीघ्र ठीक होने की उम्मीद है। पाटीदार ने कहा, 'मुझे अभी नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि वह अभी ठीक हैं।'

वहीं क्रुणाल ने कहा, 'मैंने अभी फिजियो से बात नहीं की है पर मुझे लगता है कि वह ठीक हो जाएंगे, चिंता की कोई बात नहीं है।' इस मैच में विराट ने हालांकि बल्लेबाज के दौरान फिल सॉल्ट के साथ 120 रनों की शुरुआती साझेदारी की थी। विराट ने 38 गेंद में ही अर्धशतक लगा दिया था। वहीं इस मैच में मुम्बई के सलामी बल्लेबाज रोहित भी चोटिल हो गये हैं। इसी कारण ही रोहित को पांचवें ओवर के बाद मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी। हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण रोहित छठे ओवर की दूसरी गेंद के बाद मैदान से बाहर चले गए। उन्होंने 13 गेंद में 19 रन बनाए और वह वापस मैदान में उतर नहीं पाये। आरसीबी का अगला मैच 15 अप्रैल को जबकि मुंबई इंडियंस का 16 अप्रैल को होना है ऐसे में विराट और रोहित दोनों को अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कुछ दिन का समय मिलेगा।